राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,20 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 177 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

कांवड़ यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट यूपी सरकार के जवाब से संतुष्ट

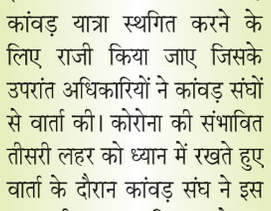

लखनऊ। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया। यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को शपथ पत्र के माध्यम से कांवड़ संघों की तरफ से यात्रा स्थगित करने की आधिकारिक जानकारी दी। राज्य सरकार के जवाब से संतुष्ट होने के बाद कोर्ट ने मामले को निस्तारित कर दिया है। दूसरी तरफ केरल में कोरोना का पाजिटिविटी रेट लगभग 11 फीसदी होने के बावजूद बकरीद पर कोविड प्रोटोकाल में ढील देने के मामले का सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया और मंगलवार तक इस पर केरल सरकार से जवाब तलब किया है। कांवड़ यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नौ जुलाई को ही सभी अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि इस संबंध में कांवड़ संघों से वार्ता की जाए तथा उन्हें इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह कांवड़ यात्रा स्थगित करने के लिए राजी किया जाए जिसके उपरांत अधिकारियों ने कांवड़ संघों से वार्ता की। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए वार्ता के दौरान कांवड़ संघ ने इस साल भी यात्रा स्थगित रखने का निर्णय लिया। सीएम ने कहा था कि कांवड़ संघ की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार सभी नागरिकों की आस्था का पूरा सम्मान करती है। सोमवार को यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल करते हुए बताया कि कांवड़ संघ ने कांवड़ यात्रा स्थगित करने का फैसला किया है। कांवड़ संघ के यात्रा स्थगित करने के फैसलों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने पूरे मामले को निस्तारित कर दिया। वहीं, प्रदेश सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी गई कि उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की पाजिटिविटी दर 0.2 प्रतिशत है।

संसद में फोन टेपिंग पर बवाल

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले: जासूसी के आरोप गलत, सरकार के नियम सख्त

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फोन पेगासस फोन टैपिंग मामले को लेकर सोमवार को लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि जासूसी के आरोप गलत हैं। फोन टैपिंग को लेकर सरकार के नियम बेहद सख्त हैं। वैष्णव ने कहा कि डाटा का जासूसी से कोई संबंध नहीं है। केवल देशहित व सुरक्षा के मामलों में ही टैपिंग होती है।` बता दें, रविवार को इस्त्राइली सॉफ्टवेयर पेगासस के माध्यम से देश के कई नेताओं व पत्रकारों के फोन टैप करने का मामला सामने आया था। इसे लेकर संसद में विपक्ष ने जमकर बवाल मचाया और कार्रवाई बार-बार स्थगित करना पड़ी। मंत्री ने कहा कि फोन के तकनीकी विश्लेषण के बगैर यह नहीं कहा जा सकता है कि उसे हैक किया गया था उससे सफलतापूर्वक छेड़छाड़ की गई थी। इससे संबंधित रिपोर्ट में ही कहा गया है कि सूची में नंबर होने का मतलब यह नहीं है कि जासूसी की गई। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा कि जब हम पेगासस प्रोजेक्ट संबंधी मीडिया रिपोर्ट को तर्क की कसौटी पर परखते हैं तो इसमें कोई आधार नहीं पाते है। उन्होंने कहा कि हमारे कानून व मजबूत संस्थानों के चलते किसी भी तरह की अवैध निगरानी संभव नहीं है। भारत में इलेक्ट्रॉनिक निगरानी या सतर्कता की

स्थापित कानूनी प्रक्रिया है। यह सिर्फ

देशहित व सुरक्षा के हित में ही की जा सकती है। वैष्णव ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे इससे संबंधित तथ्यों की छानबीन करें और तार्किक ढंग से समझें। जिन लोगों ने इससे संबंधित खबर विस्तार से नहीं पढ़ी है, उन्हें हम दोष नहीं दे सकते। पेगासस प्रोजेक्ट को लेकर आईटी मंत्री ने कहा कि इस रिपोर्ट का आधार यह है कि एक कंसोर्टियम ने 50 हजार फोन नंबर के लीक डाटाबेस को प्राप्त किया है। आईटी मंत्री ने कहा कि आरोप यह है कि उक्त सूची में शामिल कुछ लोगों के फोन की जासूसी की गई। इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि डाटा में किसी फोन नंबर के शामिल होने का यह मतलब नहीं है कि संबंधित डिवाइस पेगासस से प्रभावित हुई है या उसे हैक करने का प्रयास किया गया है।

आतंक पर प्रहार

बडगाम में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, एक आतंकवादी और चार मददगार गिरफ्तार

जम्मू। बडगाम में पुलिस ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। एक स्थानीय आतंकवादी को उसके चार साथियों के साथ गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। खुफिया सूचना के आधार पर बडगाम पुलिस ने सेना की 53-आरआर और सीआरपीएफ की बटालियन-43 के साथ अभियान शुरू किया था। जिसमें लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक स्थानीय आतंकवादी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक पिस्टल(चीन निर्मित), एक मैगजीन, आठ कारतूस सहित आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। उसकी पहचान बडगाम निवासी मोहम्मद यूनिस मीर के रूप में हुई है। आतंकवादी से पूछताछ के आधार पर बडगाम पुलिस ने चार आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री और दो ग्रेनेड सहित गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इनकी पहचान बडगाम निवासी इमरान जहूर गनी, बडगाम निवासी उमर फारूक वानी, बडगाम निवासी फैजान कयूम गनी और शाहनवाज अहमद मीर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी बडगाम के विभिन्न क्षेत्रों में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सक्रिय आतंकवादियों को हथियार, गोला-बारूद, आश्रय, रसद और अन्य सामग्री सहायता प्रदान करने में शामिल थे। गिरफ्तार किया गया स्थानीय आतंकवादी और आतंकी सहयोगी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाक आतंकी कमांडरों के संपर्क में थे। साथ ही कश्मीर में आतंकी संगठन लश्कर के स्थानीय आतंकी कमांडरों के भी संपर्क में थे। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लियो है, आगे की जांच जारी है।

यूपी चुनाव में जीत के लिए साधु-संतों से आशीर्वाद लेगी बीजेपी

बलिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ने के बीच जहां बसपा ब्राम्हणों को अपने पाले में लाने की कोशिश में सम्मेलन आयोजित करने जा रही है, वहीं भाजपा नेता और जनप्रतिनिधि मठों और मंदिरों में दस्तक देंगे तथा साधु-संतों को सम्मानित करके आगामी चुनाव में जीत का आशीर्वाद लेंगे। भाजपा के गोरक्ष प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने सोमवार को 'भाषा' को बताया कि 24 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के मौके पर भाजपा के पदाधिकारी, सांसद और विधायक, मंत्री तथा निगमों के पदस्थ लोग गोरक्ष प्रांत से जुड़े सभी मठों और मंदिरों में जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान मठों व मंदिरों में साधु-संतों को अंग वस्त्र और नारियल भेंट कर सम्मानित करने के साथ ही प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में जीत के लिए उनका आशीर्वाद भी लिया जायेगा। सिंह ने बताया कि गोरक्ष प्रांत के सभी जिलों में इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी जिलाध्यक्षों को इस बारे में दिशा-निर्देश दे दिये गये हैं।गौरतलब है कि बसपा अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले ब्राह्मणों को पार्टी से जोड़ने के लिए जगह-जगह ब्राह्मण सम्मेलन कराने का ऐलान किया है।

पेगासस जासूसी मामला : कांग्रेस बोली

राहुल गांधी की भी फोन टैपिंग कराई गई

नई दिल्ली। कांग्रेस ने जासूसी कांड को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सरकार ने राहुल गांधी समेत अपने खुद मंत्रियों की फोन टैपिंग करवाई है। यह देशद्रोह का मामला है इसलिए गृहमंत्री अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए। रणदीप सुरजेवाला ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि टैपिंगजीवी जी, राजनीतिक विरोधियों के साथ-साथ अब पत्रकार, जज, उद्योगपति, खुद के वरिष्ठतम मंत्री और यहां तक की आरएसएस की लीडरशिप को भी नहीं बख्शा, आपने तो। ठीक ही कहा-अबकी बार, जासूस सरकार! पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है और इसकी स्वतंत्र रूप से जांच होनी चाहिए। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इस कांड के बाद भारतीय जनता पार्टी का नाम बदलकर अब भारतीय जासूस पार्टी रख देना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि देश के लोग अब

ये कह रहे हैं कि अबकी बार देशद्रही जासूस सरकार। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की ये डिजिटल इंडिया नहीं बल्कि सर्विलांस इंडिया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि खुद मोदी सरकार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है और कानून के शासन पर हमला बोल रही है। लोगों के मौलिक अधिकारों पर हमला करने की भी कोशिश की जा रही है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस मामले को लेकर कटाक्ष भी किया। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि हम जानते हैं कि वह आपके फोन में सबकुछ पढ़ रहे हैं। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र का अपमान है।

दिल्ली में बारिश का कहर

अंडरपास में डूबने से युवक की मौत, ले रहा था तस्वीरें

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार सुबह से हो रही तेज बारिश के चलते पुल प्रहलादपुर अंडरपास में भरे पानी में डूबने से एक 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक युवक जैतपुर इलाके का रहने वाला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, थाना पुलप्रह्लादपुर पुलिस को दोपहर 1:37 बजे पुल प्रह्लादपुर रेलवे अंडरपास में भरे पानी में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना मिली थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने युवक को बचाने के लिए फायर ब्रिगेड और गोताखोरों को बुलाया, लेकिन युवक बचाया नहीं जा सका। युवक की पहचान रवि चौटाला (27 वर्ष) पुत्र राम किशन निवासी 244, ब्लॉक ए, पार्ट-1, गौतमपुरी, जैतपुर, दिल्ली के रूप में हुई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला है कि रवि सेल्फी लेने के लिए गहरे पानी में गया था।

पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। दिल्ली में सोमवार सुबह बारिश होने से आईटीओ और पुल प्रहलादपुर समेत कई मार्गों पर जलभराव हो गया जिसकी वजह से यातायात भी

प्रभावित हुआ। बारिश के कारण रिंग रोड, प्रगति मैदान, पालम, किराड़ी और रोहतक रोड पर भी पानी भर गया। पुल प्रहलादपुर अंडरपास की तरफ से तो यातायात को मोड़ना पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से ट्वीट कर बताया कि पुल प्रहलादपुर में रेलवे के पुल के नीचे पानी भरने की जानकारी मिली। महरौली-बदरपुर रोड से यातायात को मथुरा रोड की तरफ मोड़ा गया। जलभराव के कारण मिलेनियम पार्क के निकट रिंग रोड पर, सराय काले खां, किलोकरी, धौला कुआं, विकास मार्ग, आजादपुर आदि स्थानों पर भी यातायात संबंधी परेशानियां उत्पन्न हो गईं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों ने कहा कि जलभराव की शिकायतें दूर करने को प्राथमिकता दी जा रही है। एक अधिकारी ने कहा कि वरिष्ठ इंजीनियरों के साथ हमारे कर्मचारी काम में लगे हुए हैं। सड़कों से पानी हटाया जा रहा है।

बकरीद : योगी सरकार ने जारी किए दिशा-निर्देश

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने 21 जुलाई को मनाए जाने वाले बकरीद के त्योहार के लिए सोमवार को दिशा-निर्देश जारी किए। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बकरीद पर्व के मद्देनजर सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने निर्देश दिए कि कोविड महामारी को देखते हुए पर्व से जुड़े किसी आयोजन में एक समय में 50 से अधिक लोग एक स्थान पर एकत्र नहीं हों। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी गोवंशीय पशु, ऊंट और अन्य किसी प्रतिबंधित जानवर की कुबार्नी नहीं हो। उन्होंने कहा कि कुबार्नी का कार्य सार्वजनिक स्थान पर नहीं किया जाए। इसके लिए चिन्हित स्थलों और निजी परिसरों का ही उपयोग हो। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। गौरतलब है कि बकरीद का पर्व पैगंबर हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम द्वारा अल्लाह के प्रति अगाध प्रेम और त्याग की भावना को याद करते हुए मनाया जाता है।

भारी बारिश का कहर जारी

ठाणे में भूस्खलन से 5 की मौत

ठाणे। मॉनसूनी बरसात का कहर लगातार जारी है। मुंबई और दिल्ली में कई लोगों की जान लेने के बाद अब ठाणे में बारिश का कहर टूटा है। यहां के घोलई नगर कलवा में भारी बारिश के बाद जमीन खिसकने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों के घायल होने की खबर है। बरसात के पानी में डूबने से एक चार वर्षीय बच्चे की भी मौत हो गई। गौरतलब में लगातार बारिश के चलते ठाणे में हालत बहुत ज्यादा खराब है। यहां कई जगहों पर जलजमाव हो चुका है। थाणे के उल्लासनगर में बच्चे की बॉडी बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भेज दी गई। समाचार एजेंसी

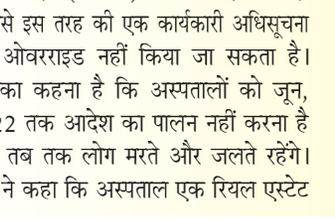

भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने बताया कि मामले में हादसे में मौत का केस दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि रविवार रात और सोमवार सुबह ठाणे और पालघर जिलों में जोरदार बारिश हुई है। इसके चलते क्षेत्र के कई इलाकों में रविवार रात 9.30 बजे से सोमवार सुबह 7.30 बजे तक ठाणे में 151.33 मिमि की बारिश दर्ज की गई है। वहीं पालघर में 108.67 मिमि की बरसात दर्ज की गई है। थाणे जिले के अलग-अलग इलाकों में चार जगहों पर दीवार गिरने की घटनाएं हुई हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक एक हाउसिंग सोसायटी की कंपाउंड वॉल और एक रिहायशी बिल्डिंग की दीवाल कालवा में रविवार को गिर गई। वहीं वागले एस्टेट इलाके में 15 फीट ऊंची दीवार गिरने से चार ऑटो रिक्शा ड्राइवरों की दबकर मौत हो गई। वहीं हादसे में एक वॉचमैन की पेड़ गिरने से मौत हो गई। वहीं ठाणे, कल्याण, भिवंडी और मुंब्रा टाउनशिप समेत करीब 18 इलाकों में बारिश के चलते जलजमाव की स्थिति हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट सख्त

अस्पताल पैसा कमाने का जरिया

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने कहा कि निजी अस्पतालों को छोटे आवासीय भवनों से संचालित करने की अनुमति देने के बजाय राज्य सरकारें बेहतर अस्पताल प्रदान कर सकती हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कहा कि अस्पताल बड़े उद्योग बन गए हैं और यह सब मानव जीवन को संकट में डालकर हो रहा है। हम उन्हें जीवन की कीमत पर समृद्ध नहीं होने दे सकते। बेहतर होगा ऐसे अस्पतालों को बंद कर दिया जाए। दरअसल, शीर्ष अदालत गुजरात के अस्पतालों में आग के मामले पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष

अदालत ने भवन उपयोग अनुमति के संबंध में अस्पतालों के लिए समय सीमा जून, 2022 तक बढ़ाने को लेकर गुजरात सरकार की जमकर खिंचाई की। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से अस्पतालों को छूट देने वाली इस अधिसूचना को वापस लेने को कहा। पीठ ने कहा कि एक मरीज जो कोविड से ठीक हो गया था और उसे अगले दिन छुट्टी दी जानी थी, परंतु आग लगने से उसकी मौत हो गई और दो नर्सें भी जिंदा जल गईं। पीठ ने कहा कि ये मानवीय त्रासदी हैं, जो हमारी आंखों के सामने हुआ। फिर भी हम इन अस्पतालों के लिए समय बढ़ाते हैं। पीठ ने कहा कि एक बार जब परमादेश (मंडमस) जारी कर दिया गया हो तो उसे इस तरह की एक कार्यकारी अधिसूचना द्वारा ओवरराइड नहीं किया जा सकता है। आपका कहना है कि अस्पतालों को जून, 2022 तक आदेश का पालन नहीं करना है और तब तक लोग मरते और जलते रहेंगे। पीठ ने कहा कि अस्पताल एक रियल एस्टेट उद्योग बन गए हैं और संकट में मरीजों को सहायता प्रदान करने के बजाय यह व्यापक रूप से महसूस किया गया कि वे पैसे कमाने की मशीन बन गए हैं। शीर्ष अदालत ने अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा के मुद्दे पर एक आयोग की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में दायर करने पर भी नाराजगी जताई। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि सीलबंद लिफाफे में आयोग की यह कौन सी रिपोर्ट है? यह कोई परमाणु रहस्य नहीं है। शीर्ष अदालत, राजकोट और अहमदाबाद के अस्पतालों में आगजनी की घटनाओं के मद्देनजर देश भर के कोविड-19 अस्पतालों में आग की त्रासदियों से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एक और अफवाह

गत 13 जुलाई को एक अफवाह उड़ी कि सूर्य से चला भयानक सौर तूफान आज धरती से टकराने वाला है, जो बड़ी तबाही मचाएगा। बताने वालों ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह भी बता दिया कि एक उच्च गति वाला सौर तूफान 16 लाख किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी के पास आ रहा है, जिसके हमारे ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र से टकराने की आशंका है, जिससे बिजली की आपूर्ति और संचार के बुनियादी ढांचे पर गंभीर असर पड़ेगा। इस कथित खबर या अफवाह को सप्ताह भर का समय तो बीत ही गया, लेकिन धरती से किसी चीज के टकराने की सूचना कहीं से भी नहीं मिली, न कोई असर दिखा। डराने वाली सूचनाएं या अफवाह कितनी व्यवस्थित ढंग से फैलाई जाती है, उसकी यह ताजा मिसाल है। इस अफवाह का एक और पहलू देखिए। स्पेसवेदर डॉट कॉम के अनुसार, सूर्य के वातावरण में एक भूमध्यरेखीय छेद से बहने वाली सौर चमक, जिसका पहली बार 3 जुलाई को पता चला था, 500 किमी प्रति सेकंड की अधिकतम गति से यात्रा कर सकती है। हालांकि, पूर्ण भू-चुंबकीय (पृथ्वी से जुड़े चुंबकीय क्षेत्र में) तूफान की आशंका नहीं है। चिनगारी दिखने की आशंका जताई गई थी, लेकिन यह भी साकार नहीं हुई।

यहां तक बता दिया गया था कि सैटेलाइट भी सौर तूफान या लपटों से प्रभावित होंगे, जिसका सीधा असर जीपीएस नेविगेशन, मोबाइल फोन सिग्नल और सैटेलाइट टीवी पर पड़ेगा। इसके साथ ही, पावर ग्रिड भी प्रभावित हो सकते हैं। आखिर यह अफवाह क्यों उड़ी? इतना आतंक क्यों फैलाया गया? वास्तव में, इन दिनों धरती के अनेक इलाकों में अभूतपूर्व गरमी महसूस की जा रही है। प्रशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र और पश्चिमी कनाडा में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर तट पर लाखों शेलफिश जिंदा उबल गई हैं। बढ़ती गरमी ने लोगों को डरा दिया है। क्या कोई सोच सकता है कि इतनी गरमी के लिए सूर्य ही जिम्मेदार है? हां, हमारे ग्रह की मौलिक गरमी का स्रोत सूर्य हो सकता है, लेकिन समग्र गरमी के लिए सूर्य बहुत कम जिम्मेदार है। असली अपराधी एक उच्च दबाव प्रणाली या एंटीसाइक्लोन है, जो अनिवार्य रूप से एक लहरदार जेट स्ट्रीम में निर्मित गरम हवा का पहाड़ है। जो लोग दावा कर रहे हैं कि सूर्य से सौर तूफान उठेगा और धरती तक पहुंच जाएगा, उन्हें तथ्य की जानकारी नहीं है।

हमें समझ लेना चाहिए, सूर्य सहयोगी है, शत्रु नहीं। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि धरती के बढ़ते तापमान के लिए हम इंसान ही जिम्मेदार हैं, हम अपनी जिम्मेदारी को समझने और उसके अनुरूप पर्याप्त कदम उठाने में नाकाम हो रहे हैं और इसीलिए इस तरह के डर हमें अक्सर घेरने लगते हैं। सोशल मीडिया में भी ऐसे भय को फैलने से रोकना चाहिए, शुरुआत में ही ऐसी सूचनाओं को परख लेना चाहिए। सोशल मीडिया एनालिटिक्स टूल क्राउडटंगल के अनुसार, 14 जुलाई के इंस्टाग्राम पोस्ट में साझा की गई एक तस्वीर में लिखा था, 'पृथ्वी की ओर बढ़ रहा विशाल सौर तूफान जीपीएस, इंटरनेट व उपग्रहों को प्रभावित कर सकता है।' क्या ऐसे पोस्ट को चलने देना चाहिए था? सोशल मंचों को सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि इससे उनकी विश्वसनीयता और कम होती है। लोगों के बुनियादी भय को सही दिशा में मोड़ने की जरूरत है, ताकि धरती का संरक्षण सशक्त हो।

सहमति से फैसला

सुप्रीम कोर्ट की आपत्ति और कांवड़ यात्रा की अनुमति पर पुनर्विचार करने संबंधी निर्देश के मद्देनजर उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ संघों के साथ सहमति बनाकर इस वर्ष कांवड़ रद्द करने का फैसला किया है। पिछले साल कांवड़ संघों ने सरकार के साथ बातचीत के बाद खुद ही यात्रा टाल दी थी। इस प्रकार इस फैसले से यात्रा को लेकर कुछदिनों से जारी गतिरोध समाप्त हो गया है। हालांकि इस फैसले से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोना नियमों का पालन करते हुए यात्रा की अनुमति दे दी थी। इसलिए दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान के कांवड़िए गंगा जल लेने के लिए निकल चुके हैं। काफी तादाद में कांवड़ियों की हरिद्वार से गंगा जल लेकर वापसी भी हो रही है। ऐसे में यात्रा रद्द भले ही हो गई हो लेकिन बाहरी राज्यों से कांवड़ियों को उत्तराखंड़ और यूपी में आने से रोकना चुनौती होगी। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के चलते उत्तराखंड़ सरकार भी यात्रा को रद्द कर चुकी है। पिछले साल भी इन दोनों राज्यों में कोरोना महामारी के कारण कांवड़ यात्रा रद्द कर दी गई थी। वैसे सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई होनी है। शीर्ष अदालत मामले स्वतः संज्ञान लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करके कांवड़ यात्रा पर स्पष्टीकरण मांग चुकी है। अदालत का कहना है कि लोगों का स्वास्थ्य उसकी शीर्ष प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बीते दिनों भीड़ पर चिंता जताते हुए तीसरी लहर के प्रति लोगों को आगाह किया था। इसके बाद उत्तराखंड़ सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कांवड़ यात्रा रद्द करने की घोषणा कर दी थी। लेकिन उत्तर प्रदेश 25 जुलाईको कांवड़ यात्रा की यह कहते हुए अनुमति दे दी कि कोविड़-उपयुक्त व्यवहार का पालन करते हुए कांवड़ यात्रा सांकेतिक होगी। इस पर चिंतित स्वास्थ्य विशेषज्ञों समेत तमाम प्रबुद्ध जनों ने कुंभ आयोजन का उल्लेख करते हुए ध्यान दिलाया था कि उसके बाद फैले संक्रमण के दौरान स्वास्थ्य सुविधाएं नाकाफी रहीं। यात्रा निकाली गई तो महामारी का प्रकोप प्रचंड़ हो जाएगा। हिंदू कैलेंड़र के मुताबिक, श्रावण महीने की शुरुआत के साथ होने वाली पखवाड़े की यात्रा अगस्त के पहले सप्ताह तक चलती है, और पड़ोसी राज्यों से हरिद्वार में कांवड़ियों का बड़ा जमावड़ा लगता है। बहरहाल, ऐसा फैसला ही अभीष्ट था।

भारत को बदलने वाले वे दिन

हरजिंदर

मानसून उस साल मामूली-सा बरसा था। 1991 की जुलाई का पहला पखवाड़ा बीतते-बीतते यह साफ हो गया था कि इस साल कौन से इलाकों में हरियाली बिखरेगी और कौन से सूखे रह जाएंगे। लेकिन यह वह महीना था, जब रुत कहीं और बदलने वाली थी। संसद का सत्र शुरू हो गया था और रेल बजट, आर्थिक सर्वे और सालाना बजट पेश किए जाने वाले थे। ये आर्थिक संशय के दिन थे और लोगों की आशंकाएं वहीं विराजमान थीं, जहां वे संकटकाल आते ही पहुंच जाती हैं।

महंगाई सातवें आसमान से भी ऊपर थी। मुद्रास्फीति का आंकड़ा दहाई अंक पार कर चुका था। देश की विदेशी मुद्रा वाली तिजोरी के बारे में तब जो खबरें आ चुकी थीं, वे सब की सब डराने वाली थीं। पेट्रोल जैसी जरूरी चीजों का आयात हो सके, इसके लिए डॉलर की जुगाड़ में सरकार देश का 47 टन सोना गिरवी रख चुकी थी। भारतीय रुपये का दो बार अवमूल्यन किया जा चुका था और आगे क्या होगा, इसे लेकर बहुत से डर हर मन में समाए हुए थे। वाणिज्य मंत्री पी चिदंबरम ने वाणिज्य नीति का एक मसौदा जुलाई के शुरू में पेश कर दिया था, जो आयात और निर्यात पर लगी तमाम पाबंदियों को हटाकर कुछ उम्मीद जरूर बंधाता था। इसमें निर्यातकों के लिए ढेर सारी वास्तविक रियायतें और प्रोत्साहन थे, लेकिन पूरा संकट इतना बड़ा था कि इससे बाधाओं के किसी पहाड़ को खोद लेने की उम्मीद नहीं बांधी जा सकती थी। संकट अर्थव्यवस्था ही नहीं, राजनीति के मोर्चे पर भी था। पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व में कांग्रेस की पहली बार दिल्ली में गठबंधन सरकार बनाने की मजबूरी थी। देश की सबसे पुरानी पार्टी इन नई स्थितियों में खुद को कितना ढाल सकती है, इसे लेकर कई तरह के शक थे। लेकिन असल खतरा समर्थन देने वाले दलों से नहीं, खुद कांग्रेस के भीतर से था। जिस पद पर नरसिंह राव विराजमान हुए थे, उस पर कई तरफ से घात लगी हुई थी। यही वजह थी कि जुलाई के पहले सप्ताह में जब उद्योग मंत्री पी जे कुरियन ने लाइसेंस-परमिट राज खत्म करने और विदेशी निवेश के दरवाजे-खिड़कियां खोलने वाली नई उद्योग नीति तैयार की, उसे सबसे पहले मंत्रिमंडल ने ही धूल चटा दी। इसी के साथ जो राजनीतिक जोड़-तोड़ शुरू हुई, उसने इस पूरे मसले को कांग्रेस कार्यसमिति तक पहुंचा दिया। तीन सप्ताह की मशक्कत के बाद मंत्रिमंडल ने जब इस नीति को हरी झंडी दिखाई, तब संसद का सत्र शुरू हो चुका था।

संसद का यह सत्र शुरुआती दिनों में किसी बड़े बदलाव का संकेत देने वाला नहीं था। यहां तक कि जब रेल मंत्री सी के जाफर शरीफ ने संसद में रेल बजट पेश किया, तब उसमें कोई ऐसी बड़ी बात नहीं थी, जिसका आज 30 साल बाद जिक्र करना जरूरी हो। आर्थिक सर्वेक्षण के शुरुआती हिस्सों में ऐसा कुछ नहीं था, जिससे बड़ी उम्मीद बंधती हो। वैसे भी आर्थिक सर्वेक्षण बीत चुके वित्त वर्ष का लेखा-जोखा होता है और एक आर्थिक संकट के वर्ष में यही उम्मीद की जाती है कि इसमें भरोसा जताते हुए कुछ रोना-धोना ही होगा। इस सर्वे के आखिरी अध्याय में जहां संभावनाओं की बात की गई थी, वहां जरूर यह लगा कि वित्तीय मोर्चे पर सरकार कुछ बड़ा करने वाली है। उससे यह साफ था कि सरकार वित्तीय घाटे को कम करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाने जा रही है। हालांकि, आलोचकों ने तब इसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के दबावों का ही एक नतीजा बताया था।

इसलिए 24 जुलाई, 1991 को वित्त मंत्री मनमोहन सिंह जब अपना पहला बजट पेश करने के लिए खड़े हुए, तब किसी को भी साफ तौर पर नहीं पता था कि उनसे क्या उम्मीद बांधी जाए? कुछ औपचारिक बातों और राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद जब उनका भाषण आगे बढ़ा, तो साफ हो गया कि पिछले कुछ साल की परंपराओं से अलग यह बजट खैरात बांटने वाला नहीं, मुश्तें बांधने वाला है। अपनी मंशा को उन्होंने बजट भाषण की शुरुआत में ही स्पष्ट कर दिया, 'अब वक्त को और बरबाद नहीं किया जा सकता। न तो सरकार और न ही अर्थव्यवस्था, अपनी आमदनी से ज्यादा खर्च के भरोसे लंबे समय तक चल सकती है। धन और समय उधार लेकर तिकड़म भिड़ाने का अवसर अब जरा भी नहीं है।'

यह पहला ऐसा बजट था, जिसमें वित्तीय घाटे को कम करने के लिए कई कड़े कदम उठाए गए। पेट्रोल, डीजल और उर्वरक जैसी कई उन चीजों के दाम बढ़ाए गए, जिन पर सरकार की भारी सब्सिडी स्वाहा हो जाती थी। सिर्फ केरोसिन को बख्शा गया, जिसके दाम थोड़े कम कर दिए गए। बजट की तमाम वित्तीय विसंगतियों को भी अलविदा कर दिया गया। विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए बहुत सारी घोषणाओं के साथ घाटे में चल रही सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के विनिवेश की घोषणा भी इस बजट में की गई। मनमोहन सिंह उस दिन बजट नहीं पेश कर रहे थे, भारत को एक कड़वी दवा दे रहे थे, जिसे संकट से मुकाबिल देश ने सहज ही स्वीकार भी कर लिया था। बजट भाषण के अंत में उन्होंने विक्टर ह्यूगो की कही एक बात का हवाला दिया, 'उस विचार को कोई भी नहीं रोक सकता, जिसका समय आ गया है'।

उस बजट से जो परंपरा शुरू हुई, उसे हम उदारीकरण कहते हैं, जिसमें बजट के साथ ही राव सरकार की उद्योग नीति और वाणिज्य नीति भी मिलकर एक लय में चल रही थीं। और सचमुच इस विचार का समय आ गया था। उस मौके पर उदारीकरण का जमकर विरोध करने वाले भी जब सत्ता में आए, तो समय के इस पहिये को उल्टा नहीं घुमा सके। यह उदारीकरण ही था, जिसने देश को दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकतों और आर्थिक संभावनाओं के समक्ष ला खड़ा किया। इसी का नतीजा था कि देश की विकास दर लगातार बढ़ते हुए दहाई अंक तक पहुंच गई। आज फिर देश एक आर्थिक संकट में है, कहीं ज्यादा गहरे आर्थिक संकट में। ऐसे में, 30 साल पहले का वह जुलाई महीना एक रोल मॉडल का काम कर सकता है, जब लंबे-चौड़े वादे नहीं किए गए थे, बल्कि बड़े और दूरदर्शी कदम उठाए गए थे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> आज फिर देश एक आर्थिक संकट में है, कहीं ज्यादा गहरे आर्थिक संकट में। ऐसे में, 30 साल पहले का वह जुलाई महीना एक रोल मॉडल का काम कर सकता है, जब लंबे-चौड़े वादे नहीं किए गए थे, बल्कि बड़े और दूरदर्शी कदम उठाए गए थे।

वैश्विकी

व्यक्तित्व को निष्प्रभावी बनाता है झूठ

दिनेश चमोला 'शैलेश'

मनुष्य का लालन-पालन जिस परिवेश में सहज रूप में होता जाता है, उसी के अनुरूप उसके भावी जीवन की कर्म व आदर्श की निश्चित समय-सारणी भी आकार लेती चली जाती है। उसके बाल मष्तिष्क में सारहीन कूड़ा-कचरा अथवा अनमोल रहस्य-चिंतन जो कुछ भी अपने पास-परिवेश से मिलता जाता है, उसे ही वह अपनी जीवन-थाती समझ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होता रहता है। तदनुरूप ही उसका बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक अस्तित्व व विकास भी सुदृढ़ होता चला जाता है।

भाषा के काल्पनिक भूगोल से लेकर संस्कारों के अकाट्य इतिहास तक के विन्यास का तानाबाना व बीज-वपन इसी काल में सुनिश्चित होता चलता है। जीवन के प्रति आशा, आस्था, विश्वास व अनुराग का बीजारोपण भी जीवन की इस मांसल क्यारी में होने लगता है। बहुत बार, बहुत से नैसर्गिक गुण उसमें सत्संगति अथवा पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण सहज रूप से ही अंतरित हो जाते हैं, किंतु कई बार बचपन के कोमल मष्तिष्क में घर कर गए वजनी संस्कार किसी भी कीमत पर आजीवन अपरिवर्तित होने के लिए भी कटिबद्ध होते हैं। फिर उन्हें कोई बलिष्ठ से परम ज्ञानी गुरु तक परिवर्तित करने की सामर्थ्य नहीं जुटा सकता।

इस वर्धापन काल में सत्याचरण व आदर्शपरक मूल्यों को सहेजना जितना कठिन व असहज लगता है, झूठ व असत्याचरण का अनुपालन, इसकी तुलना में उतना ही सहज व स्वीकार्य भी। ऐसी स्थिति में जहां सत्याचरण की मनोवृत्ति जीवन को सुदृढ़, स्वावलंबी व आशान्वित बनाती है वहीं असत्य के मार्ग का अनुसरण करने वाले मनों में हीन ग्रंथि की भावना उसी गति से पनपती चली जाती है जो व्यक्तित्व एवं चिंतन को अलग संकीर्ण पगडंडी पर ले चलने के लिए बाध्य कर देती है। जीवन के प्रति स्वच्छ, स्वस्थ व परिपक्व सोच सकारात्मक कार्यों की आधारशिला बनती है, जबकि कृत्रिम व ढोंग-प्रदर्शन वाली सोच गलत व नकारात्मक मार्ग पर चल स्वयं को कमतर आंकने की भावना को अपने भीतर जन्मती चली जाती है। कालांतर में यही असमर्थता झूठ बोलने व असत्याचरण के मार्ग पर चलने को विवश करती है

अंततः यही झूठ व असत्याचरण व्यक्तित्व को धूमिल व निष्प्रभावी बनाता है। मन, वचन व कर्म से, पूर्ण मनोयोग से किया गया कार्य ही सफलता व आत्मविश्वास के आकर्षक आनंद-महल तक ले जाता है। वचन और कर्म को आचरण के निकष पर कसने वाले व्यक्तित्व ही वस्तुतः महान होते हैं। दूसरी ओर झूठ का सहारा लेकर वे जिस व्यक्तित्व का निर्माण करना चाहते हैं, उससे वे स्वयं ही अपनी दृष्टि में ही गिर जाते हैं। ढोंग-प्रदर्शन, असत्याचरण व झूठ की सत्ता बहुत दिन नहीं चलती। उनके काले कारनामों की कलई खुलते ही उन्हें पद व सत्ता से हाथ धोना पड़ता है। फिर अच्छे दिन बुरे व काले दिनों में परिवर्तित होते कितनी देर लगती है ? सत्य, वचन हो या कर्म, प्रथमतः भले ही कटु प्रतीत होता हो, किंतु परखने पर चौबीस कैरेट का स्वर्ण सिद्ध होता है। इसीलिए वह शाश्वत, सटीक व अपरिवर्तनीय होता है। झूठ, चालाकी व नकलीपन के मुलम्मे से दो दिन की वाहवाही भले ही मिल जाये, लेकिन अंततः जीवन में 'चार दिन की चांदनी व फिर अंधेरी रात' वाली उक्ति से ही उन्हें सामना करना होता है।

ऐसे व्यक्ति न अपने को इस खोखले अहम से मुक्त ही करा पाते हैं और न अपने अज्ञान व असलीयत को सबके समक्ष स्वीकार ही। झूठ व ढोंग को जीवनी शक्ति व जीवन-ऊर्जा मानने वाले व्यक्ति की वैचारिक पौधशाला में, सत्य की दुर्लभ व स्थायी पौध कभी पनप ही नहीं सकती। ऐसा गुरु किस कोटि के शिष्यों के निर्माण कर सकता है?

वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अनुसंधानों ने सिद्ध किया है कि जो व्यक्ति झूठ का सहारा लेकर आगे बढ़ते हैं, वे आजन्म संशय के ताल में डूबे रहने के लिए अभिशप्त रहते हैं। न्यू इंग्लैंड यूनिवर्सिटी में दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर तथा प्रख्यात मनोवैज्ञानिक डॉ. डेविड लिविंगस्टोन स्मिथ ने अपनी चर्चित पुस्तक 'व्हाइ वी लाइ' में सिद्ध किया है कि झूठ बोलने वाले के पास धोखा और झूठ ही स्वयं को बचाने और जिंदा रखने का एक बहुत बड़ा जरिया होता है। उनका मानना है कि इस प्रवृत्ति वाला व्यक्ति पंद्रह मिनट में तीन बार झूठ बोलता है। पुस्तक में लेखक ने झूठ बोलने के व्यावहारिक कारणों का खुलासा किया है कि किस प्रकार एक कृत्रिम व्यक्ति के अवचेतन मन में झूठ का बीज पनप कर विशाल वृक्ष बन जाता है। यदि अध्ययनों की मानें तो इससे एक-तिहाई समय में परिश्रम कर वह अपना मौलिक व शाश्वत विकास कर सकता है। एक झूठ, रक्तबीज बन, खोखली सृष्टि की रचना कर व्यक्तित्व को किस प्रकार खंडित कर अनादृत करता है व सत्य, निर्भय व शाश्वत बन, समादृत कर सभी का कंठमाल बना रहता है।

परिधि/राजीव मंडल

हांफ रहा है सुशासन

कभी पानी में नाव तो कभी नाव में पानी। बिहार में शासन का चरित्र कुछ ऐसा ही हो चला है। ताजा प्रकरण एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी का है, जो सुशासन बाबू नीतीश कुमार व अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने थाने पहुंचे थे। मामला चूंकि राज्य के मुखिया का था सो प्राथमिकी तो दर्ज नहीं हुई, उल्टे उन्हें 4 घंटे थाने में इंतजार करना पड़ा।

याद कीजिए पिछले महीने बिहार के ही एक मंत्री मदन साहनी को सार्वजनिक तौर पर कहना पड़ा था कि अधिकारी उनकी बिल्कुल नहीं सुनते। साहनी ने तो इस्तीफे की भी पेशकश की थी। यहां तक कि पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने भी कहा कि राज्य के 20-25 फीसद नौकरशाह मंत्रियों की नहीं सुनते। आश्चर्य की बात है कि न तो तब नीतीश ने जुबान खोली थी और न अब आईएएस अधिकारी सुधीर कुमार के आरोपों पर कुछ बोल रहे हैं। एक समय ऐसा भी था जब नीतीश के समय नौकरशाही अपने अच्छे गुणों के कारण चर्चा में थी। यह सब कुछ नीतीश के पहले पांच साल के दौरान हुआ। हालांकि बाद में नीतीश की निर्भरता नौकरशाही पर कुछ ज्यादा ही हो गई। नतीजतन, अफसरशाही इस कदर बेलगाम हुई कि अभी तक पटरी पर नहीं आ सकी है। आईएएस सुधीर कुमार के प्रकरण की नजदीक से पड़ताल करें तो यही तथ्य निकलता है कि उन्होंने जिस मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ एफआईआर लिखवाने की बात कहीग उसमें उनके अलावा कई शीर्ष अधिकारी भी हैं। अच्छा होता कि मुख्यमंत्री इस प्रकरण पर चुप्पी तोड़ते। उनका आगे बढ़कर स्पष्टीकरण देना निश्चित तौर पर सुशासन की उनकी छवि को मजबूती देता। कभी देश के अन्य राज्यों के मुकाबले सबसे अधिक चुस्त-दुरुस्त प्रशासन वाले राज्यों में बिहार शामिल था, मगर अब अपनी नौकरशाही को लेकर बदनाम है। प्रशासनिक भ्रष्टाचार के मामले में बिहार के अव्वल होने का खुलासा दुनिया के तीन सबसे बड़े विश्वविद्यालयों यूनिवतसटी ऑफ कैलिफोतनया, यूनिवतसटी ऑफ शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के स्कॉलर्स के भारत की नौकरशाही भ्रष्टाचार पर किए गए शोध में हुआ है। यह शोध वैसे तो करीब तीन वर्ष पहले हुआ था किंतु भ्रष्टाचार के मामले में कहानी अब भी वैसी ही है। काश, बिहार में पारदर्शिता की बहार होती।

कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा निकले या ना निकले, योगी का वोटरों को संदेश

अजय कुमार

कांवड़ यात्रा को लेकर योगी सरकार पर सुप्रीम कोर्ट सख्त रवैया अख्तियार किए हुए है तो लिबरल गैंग भी सवाल खड़े कर रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है, ऐसे में यूपी सरकार कांवड़ यात्रा निकाले जाने की अनुमति कैसे दे सकती है। हालांकि योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के लिए कुछ प्रोटोकॉल भी तय कर दिए हैं, लेकिन ऐसे प्रोटोकॉल का कितना पालन होता है, यह सब जानते हैं। फिर जब कोरोना महामारी के चलते कुंभ को बीच में खत्म किया गया था तो उससे सबक लेते हुए भी योगी सरकार को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए था, जिससे वह कोर्ट और विरोधियों के निशाने पर आ जाये।

कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का भी उल्लेख किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। कांवड़ यात्रा निकाले जाने की छूट उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड दोनों सरकारों ने दी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट में मामला पहुँचते ही उत्तरखंड सरकार ने तो आदेश वापस ले लिया, लेकिन योगी सरकार ने ऐसा नहीं किया। राज्य सरकार ने हालांकि प्रतीकात्मक कांवड यात्रा निकालने की बात कही तो अदालत ने इस पर भी उसे पुनर्विचार के लिए कह दिया। बहरहाल, कोर्ट का इस मुद्दे पर अंतिम फैसला जो भी हो, लेकिन इतना तो है ही कि योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा की इजाजत देकर राजनैतिक फायदा तो ले ही लिया है। कांवड़ यात्रा निकाले जाने की योगी सरकार द्वारा छूट दिए जाने से बीजेपी के वोटरों में यह संदेश पहुँच चुका है कि योगी सरकार तो कांवड़ यात्रा निकलवाना चाहती है, लेकिन कोर्ट की वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा है। बात सुप्रीम कोर्ट की कि जाए तो जिस तरह से कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर योगी सरकार के साथ केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी किया, उस पर किसी को हैरानी नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी जब हिल स्टेशनों पर जुट रही सैलानियों की भीड़ को गंभीरता से लेते हुए यहां तक कह रहे हैं कि हम तीसरी लहर को स्वयं बुलादा दे रहे हैं तब तो योगी सरकार को बिल्कुल भी ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए था, जिससे उनकी(योगी) और केन्द्र दोनों सरकारों की साख पर आंच आए। जब कोरोना महामारी के चलते पूरे देश में विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन या तो स्थगित किए जा रहे हैं या फिर उन्हें प्रतीकात्मक रूप से आयोजित किया जा रहा है। यहां तक कि वैवाहिक कार्यक्रमों और शव यात्रा में कितने लोग जा सकते हैं इस तक की संख्या तय कर दी गई हो, तब योगी सरकार कांवड़ यात्रा निकालने की इजाजत कैसे दे सकती है। योगी सरकार को ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार से सबक लेना चाहिए जिन्होंने जब पुरी में भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा निकाली गई तो शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया ताकि भक्तों की भीड़ को रोका जा सके। जगन्नाथ यात्रा को लेकर कुछ इसी तरह का फैसला गुजरात सरकार ने भी लिया गया। ऐसा कोरोना संक्रमण के कारण किया गया। अच्छा होगा योगी सरकार कांवड़ यात्रा पर अपना आदेश वापस ले। इसके साथ ही उसे त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ रही भीड़ को भी नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना चाहिए, जिस प्रकार से बाजारों में प्रोटोकॉल ताक पर रखकर लोग खरीददारी के लिए जुट रहे हैं, वह कोरोना के प्रसार में खतरे की घंटी साबित हो सकता है। इतना ही नहीं धार्मिक स्थलों पर भी कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, इस ओर भी सरकार को ध्यान देना होगा। मंदिर हो चाहे मस्जिद, अपवाद को छोड़कर कहीं भी प्रोटोकॉल का पालन नहीं हो रहा है। इसी तरह से बकरीद पर पशुओं की बाजार में भी बेतहाशा भीड़ जुट रही है। आने वाले दिनों में जन्माष्टमी, रक्षाबंधन और अन्य कई त्योहारों के कारण भी बाजारों से लेकर बस और रेलवे स्टेशनों पर भी भीड़ का मंजर देखने को नहीं मिले इसके लिए अभी से सरकार को तैयारी और सख्त फरमान जारी कर लेना चाहिए। धार्मिक स्थलों, बाजारों, हिल स्टेशनों, रेलवे और बस स्टेशनों पर जिस तरह की भीड़ दिखाई उससे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) भी परेशान है। कोरोना महामारी जब फैलती है तो सबसे अधिक नुकसान और परेशानी मेडिकल क्षेत्र के लोगों की होती है। कोरोना के चलते हजारों डॉक्टरों और हेल्थ वर्करों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। आईएमए लगातार सरकार से गुजारिश कर रहा है कि तीर्थ यात्राओं और पर्यटन पर रोक लगाने की जरूरत है। बीते दिनों प्रधानमंत्री ने भी इस पर चिंता व्यक्त की कि पर्यटन स्थलों में भारी भीड़ कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करती हुई दिख रही है। उनकी इस चिंता का आशय यही था कि राज्य सरकारें सार्वजनिक स्थलों में भीड़ को इस तरह जमा होने से रोकें।

ऐसे समय जब कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका गहराती जा रही है और कुछ राज्यों में कोरोना मरीजों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही, तब ऐसे किसी आयोजन से बचने में ही आम जनता की भलाई है, यह बात सरकार तो बता ही रही है, आम जनता को भी समझना चाहिए। पिछले डेढ़ साल में दुनिया के तमाम देशों के लोग इस हकीकत के गवाह हैं कि कोरोना न किसी का धर्म देखता है, न जात और न ही उम्र का तकाजा उसके लिए मायने रखता है। वह सबको समान रूप से चपेट में लेता है, लेकिन देश का दुर्भाग्य यह है कि इस महामारी पर भी धर्म की आस्था 'जान है तो जहान है' पर भारी पड़ रही है। कोरोना की दूसरी लहर के बीच हमने हरिद्वार के कुंभ में जुटी लाखों लोगों की भीड़ के दृश्य देखे और फिर उसका नतीजा भी भुगता और अब जबकि देश के तमाम डॉक्टर-विशेषज्ञ तीसरी लहर आने के लिए आगाह कर रहे हैं, तब उत्तर प्रदेश की सरकार ने कांवड़ यात्रा निकालने की इजाजत दे दी है। सिर्फ डॉक्टर ही नहीं बल्कि कोई भी समझदार इंसान इस फैसले को उचित नहीं कहेगा, जहां लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ इस संक्रमण को फैलाने में मददगार बने। हमारे देश का संविधान हर नागरिक को अपने धर्म-मज़हब में आस्था रखने व उसके प्रदर्शन करने का अधिकार देता है, लेकिन वो ये हक़ कतई नहीं देता कि आस्था का वह प्रदर्शन किसी दूसरे इंसान की जिंदगी के लिये ख़तरा बन जाये। देश के हर राज्य के हर शहर के गली-मुहल्ले में शिवालय मंदिर हैं। जहां जल अर्पित करके श्रद्धालु अपनी आस्था पूरी कर सकते हैं। उसके लिए भारी-भरकम म्यूजिक के साथ भीड़ का सड़कों पर आना कोई अनिवार्य बाध्यता नहीं है कि उसके बगैर भोले भंडारी प्रसन्न नहीं हो सकते।

भारत में मजबूत बुनियादी तत्व, बाजार आकार निवेश को आकर्षित करना जारी रखेंगे: सीतारमण

नई दिल्ली:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि भारत में मजबूत बुनियादी तत्व और बाजार का आकार निवेश बाजार को आकर्षित करना जारी रखेंगे। लोकसभा में गिरीश भालचंद्र बापट और राहुल शेवाले के प्रश्न के लिखित उत्तर में सीतारमण ने यह बात कही। उन्होंने विश्व निवेश रिपोर्ट 2021 का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2020 में भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) के प्रवाह में 25.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 64 अरब डॉलर पहुंच गया जो वर्ष 2019 में 51 अरब डॉलर था। एफडीआई प्राप्त करने के मामले में भारत वर्ष 2019 में आठवें स्थान से 2020 में पांचवे स्थान पर आ गया। उन्होंने कहा कि नई ग्रीनफील्ड निवेश घोषणाओं के मूल्य में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 44 प्रतिशत और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 16 प्रतिशत तक की अपेक्षाकृत तीव्र गिरावट दर्ज की गई। वित्त मंत्री ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि भारत में घोषित ग्रीनफील्ड परियोजनाएं 19 प्रतिशत तक सिकुड़ी जो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 44 प्रतिशत तक गिरावट के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। सीतारमण ने कहा, 'भारत का मजबूत बुनियादी तत्व और बाजार का आकार निवेश बाजार को आकर्षित करना जारी रखेंगे।'

डॉलर के मुकाबले रुपये में 31 पैसे की गिरावट

मुंबई, रुपये में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट और विदेशों में डॉलर के मजबूत होने के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 31 पैसे हल्की हो 74.88 पर बंद हुई। अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 74.73 पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान 74.71 से 74.92 के दायरे में उतार चढ़ाव के बाद अंत में पिछले बंद के मुकाबले 31 पैसे की हानि दर्शाता 74.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विगत दो दिन में रुपये में कुल 34 पैसे की गिरावट आई है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत बढ़कर 92.93 हो गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 586.66 अंक की भारी गिरावट के साथ 52,553.40 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक जिंस वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड की दर 2.24 प्रतिशत घटकर 71.94 डॉलर प्रति बैरल पर चल रही थी।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने शुक्रवार को 466.30 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

हांगकांग में अमेरिकी कंपनियां कर रही हैं जोखिम का सामना: अमेरिकी उद्योग संघ

हांगकांग: अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की हांगकांग शाखा की अध्यक्ष तारा जोसेफ ने सोमवार को कहा कि हांगकांग में काम कर रही अमेरिकी कंपनियों को अपने कारोबार का फिर से मूल्यांकन करना चाहिए और तय करना चाहिए कि क्या वहां संचालन से जुड़े जोखिम बदले में मिलने वाले फायदे अधिक हैं। जोसेफ ने कहा कि हांगकांग की कंपनियां अमेरिका और चीन में दुश्मनी के बीच फंसी हुई हैं। उन्होंने यह बात पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश में जोखिमों के बारे में व्यवसायों को चेतावनी देने के लिए शुक्रवार को अमेरिकी सरकार द्वारा एक परामर्श जारी करने के बाद कही। अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध और हांगकांग में राजनीतिक असंतोष पर काबू पाने के लिए चीन की सख्ती के चलते दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। जोसेफ ने कहा कि व्यापार परिदृश्य निश्चित रूप से पहले की तुलना में अधिक जटिल हो गया है। हांगकांग में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स शहर में अमेरिकी व्यापारिक हितों का प्रतिनिधित्व करता है।

कैश विड्रॉल, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड शुल्क जल्द बढ़ाएगी सरकार

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में बैंकों को ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) पर चार्ज बढ़ाकर 21 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन करने की अनुमति दी है। ये संशोधित दरें 1 जनवरी, 2022 से लागू हो जाएंगी। ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से हर महीने पांच निशुल्क ट्रांजैक्शन कर सकते हैं। इसमें वित्तीय और गैर-वित्तीय ट्रांजैक्शन दोनों शामिल हैं। इससे ज्यादा होने पर उन्हें हर एटीएम ट्रांजैक्शन के लिए 20 रुपए की अतिरिक्त राशि का भुगतान करना होगा। कैश निकालने के लिए दूसरे बैंक के एटीएम का उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए मेट्रो सिटी में तीन और नॉन-मेट्रो सिटी में पांच एटीएम ट्रांजैक्शन की अनुमति है। जून 2019 में आरबीआई ने एटीएम ट्रांजैक्शन के इंटरचेंज स्ट्रक्चर पर विशेष ध्यान देने के साथ एटीएम चार्जेज की समीक्षा करने के लिए एक समिति का गठन किया था। आरबीआई ने एटीएम ट्रांजैक्शन की इंटरचेंज फीस हर फाइनेंसियल ट्रांजैक्शन 15 रुपए से बढ़ाकर 17 रुपए और नॉन-फाइनेंसियल ट्रांजैक्शन के लिए 5 से बढ़कर 6 रुपए कर दिया। नई दरें 1 अगस्त, 2021 से लागू होंगी। आरबीआई के अनुसार इंटरचेंज फीस बैंकों द्वारा क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड से पेमेंट प्रोसेस करने वाले मर्चेंट से लिया जाने वाला शुल्क है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) हाल ही में जुलाई की शुरुआत में अपने एटीएम और बैंक शाखाओं से कैश निकालने के लिए लगने वाले सेवा शुल्क में संशोधन किया है। एसबीआई ने बीएसबीडी खाताधारकों के लिए नए नियम लागू किए हैं। एसबीआई के अनुसार बीएसबीडी अकाउंट वाले ग्राहक ब्रांच और एटीएम से अब केवल सीमित संख्या यानी चार बार तक ही बिना किसी सर्विस चार्ज के पैसे निकाल पाएंगे। इसके बाद यदि कोई ग्राहक एटीएम या ब्रांच से पैसे निकालता है तो उसे सर्विस चार्ज के तौर पर हर ट्रांजैक्शन के लिए 15 रुपए और जीएसटी का भुगतान करना होगा। एसबीआई के अलावा किसी अन्य एटीएम से पैसे निकालने पर भी यहीं नियम लागू होगा।

एचडीएफसी लाइफ का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 33प्रतिशत घटकर 302 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली: एचडीएफसी लाइफ का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 33 प्रतिशत घटकर 302 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 451 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। बीमा कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 2021-22 की पहली तिमाही में उसका कुल प्रीमियम 31 प्रतिशत बढ़कर 7,656 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछल वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5,863 करोड़ रुपए रहा था। अप्रैल-जून की तिमाही में बीमा कंपनी के नवीकरण प्रीमियम में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एचडीएफसी लाइफ ने पहली तिमाही में महामारी के प्रभाव पर कहा कि दूसरी लहर के दौरान कंपनी के मृत्यु दावे पहली लहर की तुलना में तीन-चार गुना बढ़ गए। इस दौरान कंपनी ने 70,000 दावों का निपटान किया। कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसने सकल और शुद्ध रूप से क्रमशः 1,598 करोड़ रुपए और 956 करोड़ रुपए के दावों का निपटान किया।

सेंसेक्स 587 अंक लुढ़का, एचडीएफसी बैंक का शेयर तीन प्रतिशत से अधिक टूटा

मुंबई:

शेयर बाजारों में सोमवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 587 अंक लुढ़क गया। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक में गिरावट के साथ बाजार में नरमी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 586.66 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,553.40 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 171 अंक यानी 1.07 प्रतिशत का गोता लगाकर 15,752.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में एचडीएफसी बैंक का शेयर रहा। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी, मारुति और बजाज फाइनेंस में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, एनटीपीसी, नेस्ले इंडिया, डा. रेड्डीज और सन फार्मा समेत अन्य शेयर लाभ में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख से घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट आई। अमेरिका समेत दुनिया के विभिन्न देशों में कोविड-19 संक्रमण के नए मामले बढ़ने के साथ धारणा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

उन्होंने कहा, ''वित्तीय शेयरों में गिरावट रही। इसका प्रमुख कारण एचडीएफसी बैंक का 2021-22 की पहली तिमाही का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहना है। संपत्ति की गुणवत्ता में गिरावट से निवेशकों में बैंक और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) को लेकर चिंता बढ़ी है, जो खुदरा और एसएमई (लघु एवं मझोले उद्यमों) को कर्ज दे रखे हैं। मोदी ने कहा, ''वाहन और धातु सूचकांकों में एक प्रतिशत से अधिक का सुधार आया। रियल्टी और दवा कंपनियों को छोड़कर ज्यादातर प्रमुख खंडवार सूचकांकों में गिरावट रही। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी मुनाफावसूली देखी गई...।''

वैश्विक स्तर पर शंघाई, हांगकांग, सियोल और तोक्यो भारी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में भी मध्याह्न कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71.91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

शेयर आवंटन की तैयारी कर रही एलआईसी

नई दिल्ली:

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने उन पॉलिसीधारकों का डेटाबेस तैयार करना शुरू कर दिया है, जो आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में पॉलिसीधारकों के लिए आरक्षित 10 फीसदी शेयर आवंटन के लिए पात्र हो सकते हैं। एलआईसी का आईपीओ चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में आ सकता है। एलआईसी के एक अधिकारी ने कहा कि डेटाबेस में कुछ पॉलिसीधारकों के नाम दो बार आ गए हैं, जिनमें से एक नाम हटाया जा रहा है ताकि प्रत्येक पात्र पॉलिसीधारक को भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी में शेयरधारक बनने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा, 'यह बड़ा काम है और एलआईसी ने इस प्रक्रिया के लिए एक टीम तैनात की है।' पॉलिसीधारकों के लिए शेयर आरक्षण का प्रावधान वित्त अधिनियम में किया गया है। एलआईसी की टीम ने यह कवायद शुरू कर दी है। पॉलिसीधारकों के नाम, पते आदि की पहचान कर डेटाबेस में शामिल किया जा रहा है ताकि वास्तविक लाभार्थियों को ही इसका लाभ मिल सके। उक्त अधिकारी ने कहा कि कई पॉलिसीधारकों के लिए एलआईसी पसंदीदा विकल्प रही है और उन्होंने अपने नाम से एक से अधिक पॉलिसियां ली हैं। यही वजह है कि इनका ब्योरा जुटाया जा रहा है, ताकि लाभार्थियों का दोहराव न हो सके। दोहराव से बचने के लिए आधार का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समूची कवायद एलआईसी द्वारा तय प्रारूप के तहत की जा रही है। एलआईसी के करीब 29 करोड़ पॉलिसीधारक हैं और यह अपनी तरह की पहली कवायद है। एलआईसी को सूचीबद्ध कराने की तैयारी चल रही है, जिसके लिए बीमा कंपनी ने तकनीकी उन्नयन भी किया है और एक्वुरियल मॉडलिंग सॉफ्टवेयर 'प्रॉफेट' खरीदा है। इसका उपयोग देश में सभी जीवन बीमा कंपनियों द्वारा किया जाता है। सरकार एलआईसी का आईपीओ लाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। माना जा रहा है कि यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। सरकार ने निवेशकों से भी संपर्क साधा है और एलआईसी की वृद्धि तथा संभावनों से उन्हें अवगत कराया है। एलआईसी अधिनियम में कई संशोधन भी अधिसूचित किए गए हैं ताकि एलआईसी को निदेशक मंडल द्वारा संचालित इकाई बनाया जा सके। सरकार ने एलआईसी चेयरमैन का पद भी खत्म करने का निर्णय किया है और उसकी जगह मुख्य कार्याधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

एलएंडटी की निर्माण इकाई को विदेशी, घरेलू बाजार में ठेके मिले

नई दिल्ली । अवसंरचना कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने कहा कि उसकी निर्माण शाखा को विदेशी और घरेलू बाजार में ठेके मिले हैं। कंपनी ने इन ठेकों की कुल राशि नहीं बताई, लेकिन कहा कि ठेके महत्वपूर्ण श्रेणी के तहत आते हैं, यानि ये 1,000 करोड़ रुपए से 2,500 करोड़ रुपए के बीच हो सकते हैं। एलएंडटी ने शेयर बाजार को बताया कि एलएंडटी कंस्ट्रक्शन ने अपने विभिन्न व्यवसायों के लिए भारत और विदेशों में कई ठेके हासिल किए हैं। कंपनी ने बताया कि देश में ये ठेके लद्दाख और अयोध्या में मिले हैं, जबकि विदेशी ठेके दुबई, अफ्रीका और थाईलैंड से संबंधित हैं।

जैविक उत्पादों की खरीद-बिक्री के लिए 'राज किसान जैविक' मोबाइल ऐप

जयपुर:

राजस्थान कृषि विभाग ने 'राज किसान जैविक% मोबाइल ऐप बनाया है जिसके जरिए राज्य में अब जैविक उत्पादों की खरीद-बिक्री घर बैठे ही ऑनलाइन की जा सकेगी। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि राजस्थान राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था में 90 जैविक उत्पादक समूह पंजीकृत हैं जिनसे करीब 20 हजार से अधिक किसान जुड़े हुए हैं। यह किसान जैविक अनाज, जैविक सब्जी, जैविक मसाले तथा जैविक फलों का उत्पादन कर रहे हैं लेकिन इन्हें अपनी उपज बेचने के लिए खरीददार ढूंढने में कठिनाई आती है। इससे निजात दिलाने के लिए किसान तथा उपभोक्ता को ऑनलाइन मंच उपलब्ध करवाने के लिए 'राज किसान जैविक' मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। कटारिया ने बताया कि इस ऐप पर पंजीकरण कराकर उत्पादक और व्यापारी-उपभोक्ता आपस में बातचीत कर उपज की बिक्री और खरीद कर सकते हैं। इसमें व्यक्तिगत और समूह के रूप में प्रमाणित दोनों ही प्रकार के किसान अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस एप पर अब तक 160 किसानों और 29 खरीददारों का पंजीकरण हो चुका है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार जैविक खेती को बढ़ावा देने और खरीद-बिक्री आसान बनाने के लिए सत्त प्रयास कर रही है। इसी क्रम में गत दिनों जयपुर में दुर्गापुरा स्थित कृषि प्रबंधन संस्थान से जैविक उत्पाद बिक्री प्रोत्साहन स्थल की शुरूआत की गई थी। कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत ने बताया कि किसान गूगल प्ले स्टोर से 'राज किसान जैविक' मोबाइल एप डाउनलोड कर विक्रेता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं।

प्राइम डे पर 2,400 से अधिक लघु एवं मझोले उद्यम अपने उत्पाद पेश करेंगे: अमेजन इंडिया

नई दिल्ली:

अमेजन इंडिया ने कहा है कि 'प्राइम डे% के लिए 100 से अधिक लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमबी) विभिन्न श्रेणियों में 2,400 नए उत्पाद पेश करेंगे। इन एसएमबी में स्टार्टअप इकाइयां, महिला उद्यमी, कारीगर और बुनकर शामिल हैं।

अमेजन इस प्रमुख सेल कायक्रम का आयोजन भारत में 26-27 जुलाई को करने जा रही है। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा, ''100 से अधिक एसएमबी जिनमें स्टार्ट अप और ब्रांड, महिला उद्यमी, कारीगर और बुनकर शामिल हैं, विभिन्न श्रेणियों में 2,400 से अधिक उत्पाद पेश करेंगे।

इनमें होम और किचन, फैशन, सौंदर्य, आभूषण, स्टेशनरी, लॉन और बगीचा, किराना और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि 450 से अधिक शहरों के 'अमेजन पर 75,000 से अधिक स्थानीय दुकानदार विक्रेता% प्राइम डे पर पहली बार अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे। अमेजन इंडिया के निदेशक (एमएसएमई एवं बिक्री भागीदार अनुभव) प्रणव भसीन ने कहा, ''छोटे कारोबारियों को सशक्त करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए हम इस बार प्राइम डे एसएमबी को समर्पित कर रहे हैं। अमेजन पर 75,000 से अधिक स्थानीय दुकानदार प्राइम डे पर पहली बार अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे।

पहली छमाही में छह प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थल की मांग 22प्रतिशत घटी

नई दिल्ली: चालू कैलेंडर वर्ष के पहले छह माह जनवरी-जून के दौरान छह प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थल की मांग में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की गिरावट आई। संपत्ति सलाहकार कोलियर्स के अनुसार, चालू वर्ष की पहली छमाही में कुल 1.01 करोड़ वर्ग फुट कार्यालय स्थल पट्टे या लीज पर दिया गया। छह प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु तथा पुणे में पिछले साल की पहली छमाही में कार्यालय स्थल की मांग 1.3 करोड़ वर्ग फुट रही थी। कमजोर मांग की वजह से जून अंत तक खाली कार्यालय स्थल का आंकड़ा 16.8 प्रतिशत पर पहुंच गया। एक साल पहले समान अवधि में यह 12.4 प्रतिशत था। आंकड़ों के अनुसार, 2021 के पहले छह माह में बेंगलुरु में कार्यालय स्थल की मांग बढ़कर 43 लाख वर्ग फुट हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 40 लाख वर्ग फुट थी। बेंगलुरु को छोड़कर अन्य शहरों में कार्यालय स्थल की मांग में गिरावट आई। चेन्नई में पहली छमाही में छह लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थल लीज पर दिया गया। पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा आठ लाख वर्ग फुट का था। इसी तरह दिल्ली-एनसीआर में कार्यालय स्थल की मांग 21 लाख वर्ग फुट से घटकर 19 लाख वर्ग फुट रह गई। हैदराबाद में कार्यालय स्थल की मांग 22 लाख वर्ग फुट से 12 लाख वर्ग फुट पर आ गई। मुंबई में यह घटकर 16 लाख वर्ग फुट रही। पिछले साल पहली छमाही में कार्यालय स्थल की मांग 18 लाख वर्ग फुट थी। पुणे में कार्यालय स्थल की मांग में जबर्दस्त गिरावट आई और यह 21 लाख वर्ग फुट से घटकर पांच लाख वर्ग फुट रह गई। कोलियर्स के अनुसार पहली छमाही में कार्यालय स्थल की आपूर्ति पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 53 प्रतिशत घटकर 1.2 करोड़ वर्ग फुट रह गई।

जीआर इंफा इश्यू प्राइस से 1715 रुपए पर लिस्ट हुआ

मुंबई ।

जीआर इंफा के शेयरों की सोमवार को बाजार में जोरदार लिस्टिंग हुई है। कंपनी के शेयर एनएसई पर करीब 105 फीसदी प्रीमियम यानी 1715 रुपए पर लिस्ट हुए हैं। जबकि कंपनी का इश्यू प्राइस 837 रुपए था। जीआर इंफा का आइपीओ 7 जुलाई को खुलकर 9 जुलाई को बंद हुआ था। कंपनी अपने इश्यू से 962 करोड़ रुपए जुटाने वाली है। कंपनी का इश्यू प्राइस 828-837 रुपए था। कंपनी का इश्यू 100 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी में रिटेल इनवेस्टर्स का पोर्शन 12.57 गुना सब्सक्राइब हुआ था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 168.58 गुना सब्सक्रिप्शन हुआ था। वहीं नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 238.04 गुना सब्सक्रिप्शन हुआ था। उदयपुर की जीआर इंफा दिग्गज इंटिग्रेटेड रोड, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी है। हाल ही में कंपनी ने रेलवे सेक्टर में अपना बिजनेस रेलवे सेक्टर में डायवर्सिफाई किया है। बाजार के जानकारों का कहना था कि इस आईपीओ का वैल्यूएशन काफी आर्कषक है। इसके वित्तीय आंकड़े काफी मजबूत हैं। दूसरी पीयर्स की तुलना में इसका इक्विटी ऑन रिटर्न काफी बेहतर है। कंपनी पर काफी कम कर्ज है। इसके प्रमोटर काफी अनुभवी है।इसके साथ ही कंपनी का मैनजमेंट काफी मजबूत है।

कंपनी दुनिया के अलग-अलग देशों में कारोबार करती है, इसकी ऑर्डर बुक काफी अच्छी है और प्रोजेक्ट्स को निर्धारित समय में पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड भी काफी अच्छा है। यह सब ऐसे कारण है जो आईपीओ को आर्कषक बना रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहली ही गेंद पर छक्का लगाने की योजना बनाकर उतरे थे ईशान

कोलंबो । श्रीलंका के खिलाफ अपने पहले ही एकदिवसीय पदार्पण मैच में अर्धशतक लगाने वाले ईशान किशन की जमकर तारीफ हो रही है। ईशान ने 42 गेंद में 59 रन बनाए। ईशान ने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच की पहली ही गेंद पर धनंजया डी सिल्वा पर एक लंबा छक्का लगाया। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वह पहले से ही इसकी योजना बनाकर आये थे। साथ ही कहा कि सभी खिलाड़ियों को भी पहले से ही इसकी जानकारी थी। इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि मैं अपना पहला एकदिवसीय खेल रहा था। इसलिए मुझे लगा कि मैं श्रीलंकाई गेंदबाजों पर जमकर आक्रमण कर सकता हूं। मैंने ऐसा ही किया, साथ ही कहा कि सबसे यह मेरा जन्मदिन था और मैं अपना पहला एकदिवसीय खेल रहा था। हर कोई रिटर्न गिफ्ट मांगता है, इसलिए मैं हमेशा अच्छी पारी खेलकर और टीम को जीत दिलाने में मदद करना चाहता था। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने यह भी खुलासा किया कि कोच राहुल द्रविड़ ने उनसे पहले ही कहा था कि वह तीन नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। इसलिए मुझे नई गेंद से जो भी अभ्यास करना था, जाहिर है कि मैं लंबे समय से कर रहा था।

श्रीलंका पर दबदबा बरकरार रखकर सीरीज जीतने उतरेगा भारत

कोलंबो ।

भारत के युवा खिलाड़ी फिर से अपना दमदार प्रदर्शन करके श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ही श्रृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेंगे। भारत की तरफ से पहले वनडे में कप्तान शिखर धवन ने एक छोर संभाले रखा जबकि दूसरे छोर पर पृथ्वी शॉ, इशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने आसानी से रन बटोरकर टीम को 7 विकेट से एकतरफा जीत दिलाई। भारत टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए छोटे प्रारूप में आक्रामक अंदाज में खेलना चाहता है तथा शॉ, इशान और सूर्यकुमार इस मामले में उम्मीदों पर पूरी तरह से खरे उतरे। उनके अच्छे प्रदर्शन से भारत की दमदार बल्लेबाजी का भी पता चलता है। अपना पहला वनडे खेल रहे इशान और सूर्यकुमार तो पहली गेंद से ही हावी हो गए थे। श्रीलंका की गेंदबाजी भी प्रभावशाली नहीं थी जिससे भारत ने 37वें ओवर में ही जीत दर्ज कर ली थी। भारत अपनी अंतिम एकादश में शायद ही बदलाव करेगा क्योंकि वह श्रृंखला जीतने के बाद तीसरे वनडे में अन्य युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहेगा। केवल मनीष पांडे का स्थान खतरे में लगता है जिन्होंने 40 गेंदों पर संघर्षपूर्ण 26 रन बनाए। शॉ ने अपने वापसी वाले मैच में कुछ जानदार स्ट्रोक लगाए लेकिन वह बड़ा स्कोर नहीं बना सके। दूसरे मैच में वह इसकी भरपाई करना चाहेंगे। लंबे अर्से बाद स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को एक साथ गेंदबाजी करते हुए देखा गया। उन्होंने फिर से साबित किया कि जोड़ी के तौर पर वे बेहतर प्रदर्शन करते हैं। स्पिनरों ने अधिकतर ओवर किए और लेकिन तब भी आलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी पांच ओवर करके उम्मीदें जगाई। सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार प्रभाव नहीं छोड़ सके। अगले मैच में वह भी इसकी भरपायी करने की कोशिश करेंगे। श्रीलंका को यदि मैच जीतना है तो उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस अनुभवहीन टीम ने दिखाया कि उसके पास चुनौती पेश करने के लिये प्रतिभा है लेकिन अभी उन्हें जीतना सीखना होगा। अधिकतर बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की लेकिन वे उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। उन्हें भारत को चुनौती देने के लिये बड़ी पारियां खेलनी होंगी।

बारबासोल में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे लाहिड़ी, अब ओलंपिक पदक है लक्ष्य

निकलसविले (अमेरिका) ।

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने ओलंपिक खेलों से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 65 का स्कोर बनाया जिससे वह बारबासोल चैंपियनशिप में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। ओलंपिक की तैयारियों में लगे 34 वर्षीय लाहिड़ी ने आठ बर्डी बनायी। इनमें से चार बर्डी उन्होंने आखिरी पांच होल में की। उन्होंने कीन ट्रेस गोल्फ क्लब में कुल 20 अंडर 268 का स्कोर बनाया तथा सीमस पावर और जे टी पोस्टन से एक शॉट पीछे रहे। आयरलैंड के पावर ने छह होल के प्लेऑफ के बाद अपना पहला पीजीए टूर खिताब जीता। अप्रैल में कोविड-19 से जूझने वाले लाहिड़ी के लिये यह अच्छी वापसी रही। वह पीजीए टूर में तीसरी बार शीर्ष तीन में शामिल रहे। इससे वह फेडएक्स तालिका में 129वें से 108वें स्थान पर पहुंच गये। शीर्ष 125 गोल्फर अगस्त में फेडएक्स कप प्लेऑफ में खेलेंगे और अगले सत्र के लिये अपना टूर कार्ड बरकरार रखेंगे। लाहिड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि पूरे सप्ताह मैंने जितना स्कोर बनाया, मैं उससे बेहतर खेला था। मैं अपने स्कोर से थोड़ा निराश हूं। यह उतना अच्छा नहीं रहा जैसा कि मैं चाहता था। तोक्यो जाने के कारण मैं अगले सप्ताह नहीं खेल पाऊंगा और इसलिए मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि इस सप्ताह मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।% लाहिड़ी ने इस सप्ताह 68, 67, 68 और 65 के कार्ड खेले। उन्होंने 2018 में मैक्सिको में मयाकोबा क्लासिक में संयुक्त 10वें नंबर पर रहने के बाद पहली बार चारों दौर में 70 से कम का स्कोर बनाया। यह भारतीय खिलाड़ी इस सप्ताह के आखिर में तोक्यो जाएगा जहां वह 29 जुलाई से एक अगस्त को होने वाली ओलंपिक गोल्फ प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। लाहिड़ी ने कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा विशेष होता है। मुझे ऐसा जो भी अवसर मिला मैंने उसे हाथों हाथ लिया। उम्मीद है कि मैं इस शानदार फॉर्म को तोक्यो में भी जारी रखूंगा। मेरे लिए पदक जीतना महत्वपूर्ण है। इससे भारत में गोल्फ के प्रति धारणा भी बदलेगी। इससे कारपोरेट और सरकार से हमें मिल रहे सहयोग में भी बदलाव होगा।%

चार बार के स्वर्ण पदक विजेता जिन जोंग ओ को हरा सकता है सौरभ : जीतू

नई दिल्ली : सौरभ चौधरी से प्रभावित विश्व चैम्पियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता निशानेबाज जीतू राय का मानना है कि यह युवा निशानेबाज टोक्यो ओलंपिक में महानतम निशानेबाजों में शुमार दक्षिण कोरिया के जिन जोंग हो को हरा सकता है। जिन ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में सबसे कामयाब निशानेबाजों में से है जिन्होंने चार स्वर्ण समेत रिकॉर्ड छह पदक जीते हैं। राय ने यह भी कहा कि यशस्विनी देसवाल और मनु भाकर भी टोक्यो में अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं। राय ने कहा कि सौरभ चौधरी कुछ अलग ही है। मैंने उसे निशानेबाजी करते देखा है। वह पदक ही नहीं जीत रहा बल्कि बड़े स्कोर के साथ जीत रहा है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि उसके नाम इस समय विश्व रिकॉर्ड है। उसके स्कोर देखो। वह नियमित तौर पर इतना अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। टोक्यो में क्वालीफिकेशन में उसने 582.583 स्कोर कर लिया तो वह 10 मीटर एयर पिस्टल में पदक की सबसे बड़ी उम्मीद होगा। महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल में भाग ले रही यशस्विनी को उन्होंने सबसे मेहनती निशानेबाजों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि एक बार जर्मनी में शिविर था और वह शाम तक अभ्यास करती रहती थी। रेंज पर ही लंच करती थी और डाइनिंग टेबल पर दिन में आराम कर लेती थी। मनु भाकर अपने हुनर में माहिर है और दिमाग की काफी तेज है लिहाजा पदक जीत सकती है। इस बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे सेना के निशानेबाज सूबेदार मेजर राय की नजरें 2024 पेरिस ओलंपिक पर लगी है। उन्होंने टोक्यो में भारतीय निशानेबाजों को क्वालीफिकेशन और फाइनल के बीच अत्यधिक सावधान रहने और लक्ष्य से नहीं भटकने की सलाह दी है।

भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक से पहले शुरू किया अभ्यास

टोक्यो ।

भारतीय खिलाड़ियों ने महामारी के बीच आयोजित किए जा रहे ओलंपिक खेलों में देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए सोमवार से अभ्यास शुरू कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों का पहला जत्था कोविड-19 से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रविवार की सुबह खेल गांव पहुंचा था। तीरंदाज दीपिका कुमारी और अतनु दास, टेबल टेनिस के खिलाड़ी जी साथियान और अचंता शरत कमल, बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और बी साई प्रणीत तथा भारत का प्रतिनिधित्व कर रही एकमात्र जिम्नास्ट प्रणति नायक ने सोमवार को अभ्यास शुरू कर दिया। तीरंदाजी युगल अतनु और दीपिका ने सुबह युमेनोशिमा पार्क में अभ्यास किया जबकि साथियान और शरत कमल ने भी ओलंपिक पदक जीतकर इतिहास रचने के लिये तैयारियां शुरू की। जिम्नास्ट प्रणति ने भी कोच लक्ष्मण मनोहर शर्मा की देखकर में आज सुबह अभ्यास शुरू कर दिया। बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू और प्रणीत ने एक ही कोच पार्क ताइ सुंग की देखरेख में अभ्यास किया जबकि चिराग शेट्टी और सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी की युगल जोड़ी अपने कोच मैथियास बो के साथ कोर्ट पर पहुंची। वी सरवनन सहित नौकायन दल के खिलाड़ियों ने रविवार से ही अभ्यास शुरू कर दिया था। सरवनन (पुरुष लेजर वर्ग) के अलावा नेत्र कुमानन, केसी गणपति और वरुण ठक्कर सभी पिछले सप्ताह यहां पहुंच गये थे। वे तोक्यो खेलों में नौकायन स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। शनिवार को तोक्यो पहुंचने वाले रोवर्स अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह ने भी मुख्य राष्ट्रीय कोच इस्माइल बेग की देखरेख में रविवार को सी फोरेस्ट वाटरवे में अपने पहले अभ्यास सत्र में भाग लिया। ये दोनों पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत का 15 सदस्यीय निशानेबाजी दल भी सोमवार को शूटिंग रेज पर गया। आयोजन समिति ने पहले जो दिशानिर्देश तय किये थे उनके अनुसार भारत से जाने वाले खिलाड़ियों को तीन दिन के अनिवार्य पृथकवास पर रहना था लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया जिससे खिलाड़ियों को बड़ी राहत मिली।

संक्षिप्त समाचार

खुद को साबित करना चाहती हूं कि मैं जीत सकती हूं : दीपिका कुमारी

टोक्यो । भारत की अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी का कहना है कि पिछले दो ओलंपिक में नाकाम रहने के बाद इस बार वह खुद को साबित करना चाहती है कि वह ओलंपिक पदक जीतने में सक्षम है। दुनिया की नंबर एक तीरंदाज दीपिका का यह लगातार तीसरा ओलंपिक है। वह लंदन (2012) और रियो (2016) में अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकी थी। दीपिका ने विश्व तीरंदाजी से कहा कि मैं खुद को साबित करना चाहती हूं कि मैं जीत सकती हूं। यह मेरे लिये, तीरंदाजी टीम के लिये और मेरे देश के लिये अहम है। उन्होंने कहा कि भारत ने ओलंपिक में कभी तीरंदाजी में पदक नहीं जीता और मैं जीतना चाहती हूं। लंदन ओलंपिक से पहले भी दुनिया की नंबर वन तीरंदाज बनी दीपिका एक बार फिर शीर्ष रैंकिंग पर पहुंची है। लंदन से अब तक बहुत कुछ बदल गया। मैंने मानसिक रूप से काफी मेहनत की है जिससे सकारात्मक नतीजे मिल रहे हैं। पिछले दो ओलंपिक में मैं बहुत पीछे रह गई थी और अब उस पर मेहनत करके आई हूं। मैं लगातार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश में हूं। दीपिका ओलंपिक में भारत की अकेली महिला तीरंदाज हैं। उनके व्यक्तिगत वर्ग की स्पर्धा 27 जुलाई से शुरू होगी। वहीं मिश्रित युगल स्पर्धा पहले ही दिन शुक्रवार को होगी।

कोको गॉफ को हुआ कोरोना वायरस, ओलंपिक में नहीं खेलेगी

तोक्यो । अमरीका की टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ का कोरोना वायरस के लिये किया गया परीक्षण पॉजिटिव आया है और वह तोक्यो ओलंपिक से हट गई हैं। गॉफ ने ट्वीट किया, 'मैं इस समाचार को साझा करते हुए बेहद निराश हूं कि मुझे कोविड पॉजिटिव पाया गया है और मैं तोक्यो में ओलंपिक खेलों में नहीं खेल पाऊंगी। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में अमरीका का प्रतिनिधित्व करना मेरा सपना रहा है और उम्मीद है कि भविष्य में मुझे इसके मौके मिलेंगे। गॉफ इस महीने के शुरू में विंबलडन के चौथे दौर तक पहुंची थी जहां उन्हें एंजलिक कर्बर ने 6-4, 6-4 से हराया था। 17 वर्षीय गॉफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 25वें स्थान पर हैं। तोक्यो ओलंपिक 23 जुलाई से शुरू होंगे और 8 अगस्त को उनका समापन होगा।

मजबूरी में तलवारबाजी करने वाली भवानी ओलंपिक की चुनौती के लिए तैयार

चेन्नई ।

टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की पहली तलवारबाज सीए भवानी देवी ने स्कूल के दिनों में मजबूरी में इस खेल का चयन किया था क्योंकि उनके पास इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं था। चेन्नई की 27 साल की यह खिलाड़ी इतिहास रचने के बाद पिछले कुछ समय से इटली में इन खेलों के लिए अभ्यास कर रही थी, जहां से वह सकारात्मक सोच के साथ तोक्यो के लिए रवाना हो गई है। भवानी ने कहा कि मैंने अच्छे से अभ्यास किया है। मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं और अपने पहले ओलंपिक खेलों के लिए अच्छी तैयारी कर रही हूं। मैंने इटली की राष्ट्रीय टीम के साथ कुछ शिविरों में भाग लिया जहाँ कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय तलवारबाज भी मौजूद थे। मैंने इससे पहले फ्रांस में भी अभ्यास किया है। भवानी ने सोमवार को इटली के हवाई अड्डे से अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि टोक्यो ओलंपिक के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार हूं। ओलंपिक में मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि ओलंपिक एक बहुत ही खास प्रतियोगिता है और सभी एथलीटों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए हर मैच कठिन होने वाला है और कुछ भी संभव है। कोविड-19 महामारी से ओलंपिक के टलने के कारण उनके खेल पर पड़े प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर कहा कि शुरुआत में हमें टूर्नामेंटों और ओलंपिक को लेकर बहुत भ्रम था। मैं बाद में स्थिति को समझ गयी और प्रतियोगिताओं के शुरू होने पर पूरी तरह से तैयार रहना चाहती थी। इसलिए मैंने घर में और छत पर अभ्यास करती थी। हम लॉकडाउन के दौरान किसी तरह तैयारी करने में कामयाब रहे और एक बार जब मैं इटली वापस आयी, तो मैंने अपनी पूरी ट्रेनिंग शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि इटली के कोच निकोला जानोटी के साथ प्रशिक्षण ने उनके प्रदर्शन और रैंकिंग में सुधार करने में मदद की। मेरे कोच भी टोक्यो जाएंगे। उनके साथ अभ्यास करने से मुझे मेरी रैंकिंग और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिली। हमने लगातार एक साथ अच्छा काम किया और ओलंपिक क्वालीफिकेशन उसी का परिणाम है। टोक्यो में उनकी मां सीए रमानी भी उनके साथ रहेंगे जिससे उनका हौसला बढ़ेगा। रमानी को भारत की तलवारबाजी दल में नामित किया गया है और उन्हें पी-टीएपी (व्यक्तिगत-प्रशिक्षण सहायता कार्यक्रम) के रूप में मान्यता दी गई है। तलवारबाजी से जुड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि स्कूल में उस समय उनके पास कोई और विकल्प नहीं था।

टोक्यो ओलंपिक के दौरान एथलीटों का रोजाना होगा कोरोना टेस्ट

टोक्यो । रूसी पुरुष वॉलीबॉल टीम के महाप्रबंधक सर्गेई टेटुखिन ने सोमवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक के दौरान एथलीटों का रोजाना कोरोना टेस्ट होगा। टेटुखिन ने स्पूतनिक को कहा, 'एयरपोर्ट पहुंचने पर हमारा कोरोना टेस्ट किया गया और सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई, नहीं तो हमें टोक्यो नहीं जाने दिया जाता। अब हम रोज सुबह कोरोना टेस्ट करेंगे और पूरे ओलंपिक के दौरान ऐसा ही होगा। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में विदेशी एथलीटों सहित टोक्यो में रहने वाले कई लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। ओलंपिक आयोजन समिति ने एक जुलाई से लेकर अब तक ओलंपिक खेलों से जुड़े 40 से अधिक लोगों के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की है। कोरोना महामारी के कारण पिछले साल स्थगित हुए ओलंपिक खेल 2020 अब 23 जुलाई से आठ अगस्त 2021 तक आयोजित होने हैं।

धवन ने एक ही पारी के साथ बनाये कई रिकार्ड

कोलंबो । श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में अपनी 86 रनों की नाबाद पारी की सहायता से भारतीय टीम के कप्तान शिखर धवन ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। धवन इसी के साथ ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 6000 रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय जबकि 6 हजार रन बनाने वाले 10वें बल्लेबाज बने हैं। । धवन ने 23 रन पूरे करने के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़ दिया। धवन ने 6000 रन पूरे करने के लिए 140 पारियां खेली। वहीं गांगुली ने 147 पारियों में 6 हजार रन पूरे किए थे। इस सूची में विराट कोहली पहले नंबर पर हैं। उन्होंने 136 पारी में यह मुकाम हासिल किया था। रोहित शर्मा ने 6000 रन पूरे करने के लिए 162 पारी, महेन्द्र सिंह धोनी ने 166 और सचिन तेंदुलकर ने 170 पारियां खेली थी। कुल रिकॉर्ड की बात करें, तो धवन 6 हजार एकदिवसीय रन बनाने वाले दुनिया के चौथे सबसे तेज बल्लेबाज हैं। दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला ने 123 परियों में सबसे तेजी से 6 हजार एकदिवसीय रन पूरे किए थे। वहीं दूसरे स्थान पर विराट कोहली के नाम 136 पारी हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने 139 पारियों में यह रन बनाये हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। धवन ने 17 रन बनाते ही श्रीलंका के खिलाफ 1000 एकदिवसीय रन भी पूरे कर लिए। धवन ने श्रीलंका के खिलाफ केवल 17 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया है। धवन ने पहली बार टीम इंडिया की कप्तानी की। इसके साथ ही वह भारत की कप्तानी करने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए हैं। धवन ने टॉस के लिए उतरते ही ये खास रिकॉर्ड अपने नाम किया. धवन की उम्र 35 साल और 225 दिन है। इससे पहले मोहिंदर अमरनाथ ने साल 1984 में 34 साल 37 दिन की उम्र में पहली बार टीम इंडिया की कप्तानी की थी।

रवि दहिया के ओलंपिक पदक का बेसब्री से इंतजार कर रहा है नाहरी गांव

सोनीपत (हरियाणा) ।

क्या किसी गांव की किस्मत को एक पहलवान की ओलंपिक में सफलता से जोड़ा जा सकता है? कम से कम हरियाणा के सोनीपत जिले के नाहरी गांव के 15,000 लोग तो ऐसा ही सोचते हैं। एक ऐसा गांव जहां पेयजल की उचित व्यवस्था नहीं है। एक ऐसा गांव जहां बिजली केवल दो घंटे ही दर्शन देती है। एक ऐसा गांव जहां उचित सीवेज लाइन नहीं है। एक ऐसा गांव जहां सुविधाओं के नाम पर केवल एक पशु चिकित्सालय है। वह गांव बेसब्री से इंतजार कर रहा है रवि दहिया ओलंपिक से पदक लेकर लौटे। किसान के पुत्र तथा शांत और शर्मीले मिजाज के रवि इस गांव के तीसरे ओलंपियन हैं। ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके महावीर सिंह (मास्को ओलंपिक 1980 और लास एंजिल्स ओलंपिक 1984) तथा अमित दहिया (लंदन ओलंपिक 2012) भी इसी गांव के रहने वाले हैं। लेकिन गांव वाले ऐसा क्यों सोचते हैं कि 24 वर्षीय रवि के पदक जीतने से नाहरी का भाग्य बदल जाएगा। इसके पीछे भी एक कहानी है। महावीर सिंह के ओलंपिक में दो बार देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल ने उनसे उनकी इच्छा के बारे में पूछा तो उन्होंने गांव में पशु चिकित्सालय खोलने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इस पर अमल किया और पशु चिकित्सालय बन गया। अब गांव वालों का मानना है कि यदि रवि तोक्यो में अच्छा प्रदर्शन करता है तो नाहरी भी सुर्खियों में आ जाएगा तथा सरकार उस गांव में कुछ विकास परियोजनाएं शुरू कर सकती है जहां 4000 परिवार रहते हैं। नाहरी के सरपंच सुनील कुमार दहिया ने कहा, 'इस गांव ने देश को तीन ओलंपियन दिए हैं। इस मिट्टी में कुछ खास है। हमें पूरा विश्वास है कि रवि पदक जीतेगा और उसकी सफलता से गांव का विकास भी शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'यहां कोई अच्छा अस्पताल नहीं है। हमें सोनीपत या नरेला जाना पड़ता है। यहां कोई स्टेडियम नहीं है। हमने छोटा स्टेडियम बनाया है लेकिन उसमें मैट, अकादमी या कोच नहीं है। यदि सुविधाएं हों तो गांव के बच्चे बेहतर जीवन जी सकते हैं। गांव वालों की विकास से जुड़ी उम्मीदें रवि पर टिकी हैं लेकिन इस पहलवान को अपने पिता राकेश कुमार दहिया के बलिदान और नैतिक समर्थन के कारण सफलता मिली। राकेश वर्षों से पट्टे पर लिये गये खेतों पर मेहनत कर रहे हैं लेकिन उन्होंने अपने संघर्ष को कभी रवि के अभ्यास में रोड़ा नहीं बनने दिया। राकेश प्रत्येक दिन नाहरी से 60 किलोमीटर दूर छत्रसाल स्टेडियम में अभ्यास कर रहे अपने बेटे के लिये दूध और मक्खन लेकर आते थे ताकि उनके बेटे को सर्वोत्तम आहार मिले।

मेसी ने कमाई के साथ ही सोशल मीडिया में भी रोनाल्डो को पछाड़ा

रियो डि जिनेरियो । अर्जेंटीना के कप्तान और स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने कमाई के साथ ही सोशल मीडिया में भी पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को शिकस्त दी है। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए कोपा अमेरिका कप का खिताब जीतने के साथ ही अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ट्रॉफी के साथ एक तस्वीर पोस्ट की थी।

यह इस प्लेटफॉर्म पर खेल से जुड़ी सबसे पसंदीदा तस्वीर बन गई। मेसी की इस तस्वीर को 20 मिलियन से ज्यादा करीब 2 करोड़ लाइक्स मिले हैं। इससे पहले यह उपलब्धि रोनाल्डो के नाम पर थी। उन्होंने पिछले साल नवंबर में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर डिएगो माराडोना की मौत पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था जिसे करीब 19.8 मिलियन (1.9 करोड़) लोगों ने पसंद किया था। तब मेसी ने भी अपने माराडोना को श्रद्धांजलि देने के लिए एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसे 16.4 मिलियन बार पसंद किया गया था। जिससे यह इंस्टाग्राम पर 16वां सबसे लोकप्रिय पोस्ट बन गया था। वैसे सबसे अधिक कमाई करने वाले फुटबॉल खिलाड़ियों की सूची में भी मेसी पहले नंबर पर हैं।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

एसेसरीज हो हैवी

हेवी और कलरफुल एसेसरीज सिंपल ड्रेसेज के लिए बेहतरीन हैं।
अपनी लुक को ट्रेंडी बनाने के लिए न्यूट्रल टॉप को ब्राइट कलर्ड बेल्ट, जैसे रेड, ब्ल्यू और येलो, के साथ कंबाइन करें।
यदि आप चाहें दो हेवी एसेसरीज को कंबाइन कर सकती हैं, जैसे बैग्ज और शूज, बेल्ट और शूज व ज्यूलरी और बैग।
लुक को खास बनाने और एसेसरीज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ब्राइट रेड, ब्ल्यू और ग्रीन का इस्तेमाल करें।
आजकल मटेलिक और बीडेड लुक फैशन मे है। व्हाइट व ब्लैक ड्रेस के साथ ब्राइट गोल्डन मटेलिक स्कार्फ पहनें।
ट्रेंडी लुक के लिए ब्राइट फ्लावर हेयर एक्सेसरी पहनें।
शेल नेकपीसेज किसी भी ड्रेस को कलर देने के लिए बेहतरीन है।
कैज्युअल स्कर्ट व जींस के साथ कलरफुल प्लास्टिक रिंग्ज और बैंगल्स पहनें।
प्रतिदिन के इस्तेमाल के लिए हैवी ओवरसाइज्ड बैग्ज बेहतरीन हैं।

अहम है आउटडोर फर्नीचर की मेंटेनेंस

आउटडोर फर्नीचर की मेंटेनेंस अहम चीज है। तभी यह अलग-अलग मौसमों की मार सहकर लंबे समय तक आपको आराम दे सकता है।

आउटडोर के लिए ज्यादातर फर्नीचर मेटल या प्लास्टिक के बने होते हैं, लेकिन आप वुड, केन, विकर या रेसिन के बने फर्नीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि उन्हें मेटल और प्लास्टिक के फर्नीचर से ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

फर्नीचर की धुलाई समय पर

विकर या रेसिन की बनी मेज-कुर्सियों पर मौसम के असर से फिल्म जैसी कोई चीज जम जाती है। पेंट और फिनिश के साथ इसके रिएक्शन से फर्नीचर जल्दी ही पुराना नजर आने लगता है। फर्नीचर को इस स्थिति से बचाने के लिए यह फिल्म हटाना जरूरी है। इसके लिए आप फर्नीचर को थोड़े से साबुन और पानी से धोकर सूखे कपड़े या पेपर नैपकिन से पोंछ दें। इसके बाद इसे सादे साफ पानी से धोएं और अच्छी तरह सुखा दें। ध्यान रखें कि फर्नीचर पूरी तरह सूख जाए। इस तरह के फर्नीचर की सफाई हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर करना चाहिए। केवल लकड़ी से बने फर्नीचर को पानी से सीधे तौर पर नहीं धोना चाहिए। निश्चित रूप से लकड़ी कुछ नमी सोख लेगी और जल्दी बेकार हो जाएगी। आउटडोर फर्नीचर के लिए आमतौर पर टीक की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे सूखे कपड़े से ही साफ करते रहें। अगर बारिश या गार्डन में पानी देते हुए गीली हो जाए, तो इसे सुखाना नहीं भूलें। लकड़ी से बने फर्नीचर पानी य नमी वाली जगहों पर न रखें और मिट्टी के साथ लंबे समय तक कांटेक्ट में न रहने दें।

सावधानी से पिएं चाय कोल्ड ड्रिंक

आप बाहर बैठकर मौसम का मजा लेंगे और कुछ चाय-पानी भी नहीं हो, ऐसे कैसे हो सकता है? लेकिन फर्नीचर पर कुछ रहम भी करना होगा। अगर इस पर चाय, कोल्ड ड्रिंक आदि का कोई निशान लग जाए, तो उसे तुरंत साफ कर दें। ऐसा न हो कि आपका आलस आपके फर्नीचर पर परमानेंट दाग के रूप में असर छोड़ जाए। आउटडोर फर्नीचर के बचाव का सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे हर रात उठाकर गैरेज में रख दिया जाए। अगर ऐसा करना मुश्किल है, तो इसे प्लास्टिक शीट से तो ढंक ही देना चाहिए।

वेक्स के इस्तेमाल की खूबियां

आउटडोर फर्नीचर की सफाई के लिए एक और बेहतर तरीका है, आटोमोटिव वेक्स। इस वेक्स में अल्ट्रावायलेट प्रोटेक्शन जैसी खूबियां होती हैं, जो फर्नीचर को लंबे समय तक सुरक्षित रखती है। इस सेंगमेंट में दो तरह की चीजें मिलती हैं। आटोमोटिव वैक्स और वेक्स कम क्लीनर। कुछ वेक्स कम क्लीनर में केमिल्स होते हैं,जो फर्नीचर के मेटीरियल से रिएक्शन कर सकते हैं। क्लीनर खरीदने से पहले इनके बारे में पूछताछ कर लेना चाहिए। प्यूमाइस और राटनस्टोन, दो कॉमन एलीमेंट्स हैं, जो फर्नीचर के लिए नुकसानदेय नहीं होते, बल्कि इन पर रगड़ाई करने से ये और चमक उठते हैं। सुरक्षा के लिए वेक्स को पूरे फर्नीचर पर लगाने से पहले एक छोटे से हिस्से पर ट्राई करें। इससे आपको पता चलेगा कि यह आपके फर्नीचर के लिए फिट या नहीं?

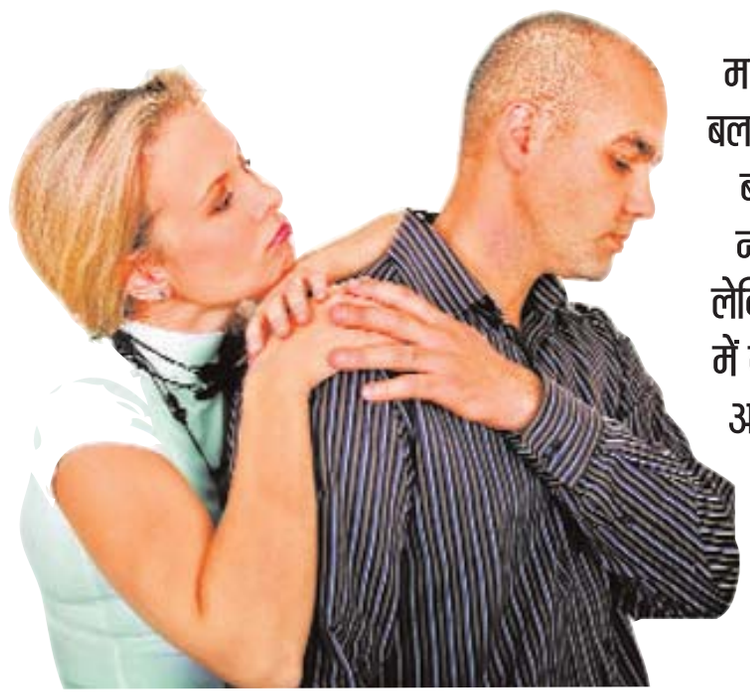

पुरुष महिलाओं से बलशाली और बहादुर चाहे नजर आएं, लेकिन रिश्तों में दरार आने अथवा टूटने पर उन्हें अधिक तकलीफ होती है।

रिश्ता टूटने पर पुरुष होते हैं ज्यादा आहत

अमेरिका में वाके फोरेस्ट यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि किसी महिला से संबंधों में खटास आने पर युवा पुरुष के दिलोदिमाग पर जबर्दस्त असर पड़ता है। वजह यह है कि महिलाएं जहां अपने तनाव को मित्रों में साझा कर लेती है वहीं पुरुष भीतर ही भीतर घुटने लगता है और नकारात्मक सोच उसके जेहन में घर कर जाती है। नतीजतन वह शराब जैसी लत का दामन पकड़ लेता है। अध्ययन के नेता प्रोफेसर राबिन शिमन ने स्वीकार किया कि वह नतीजों को देखकर हैरत में पड़ गई क्योंकि आम सोच यह थी कि रिश्तों में भावात्मक उथल-पुथल की शिकार महिलाएं जल्द हो जाती है। डेली मेल ने उनके हवाले से कहा कि आश्चर्य हुआ यह जानकर कि रिश्तों में उतार चढ़ाव का युवकों पर अधिक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन अगर रोमांस सही चल रहा है तो पुरुष अधिक लाभांवित रहता है। सर्वेक्षण 1000 अवैवाहिक युवक युवतियों पर किया गया जिनकी उम्र 18 से 23 साल के बीच थी। शिमन ने कहा कि सर्वेक्षण से यह बात सामने आई कि युवक बहुत कम लोगों में विश्वास करते हैं जबकि महिलाएं अपने परिजनों और मित्रों के साथ अधिक करीबी संबंध रखती हैं। इसकी एक वजह युवकों में पहचान और आत्मसम्मान की अधिक भावना भी है। उनके अनुसार एक तथ्य यह है कि पुरुष और महिला अलग अलग तरीके से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। महिलाओं में भावात्मक पीड़ा अवसाद में झलकती है जबकि पुरुषों में यह ठोस समस्याएं लेकर सामने आती है। मानसिक स्वास्थ्य पर लंबे अध्ययन और प्रौढ़ होने की प्रक्रिया पर किया गया यह अध्ययन हेल्थ एंड सोशल बिहेवियर नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

भले ही बारिश आ चुकी है, लेकिन गर्मी अभी खत्म नहीं हुई है। कभी बादल तो कभी सूरज की तेज किरणें काफी परेशान करती हैं, लेकिन फैशन के दीवानों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। धूप चाहे जितनी हो यूथ खासकर गर्ल्स छाता लेकर नहीं निकलती। उन्होंने छाते के अलावा और हथियार चुन लिए हैं। उनकी नई ऑप्शंस में स्कार्फ से पूरा मुंह कवर करने से लेकर हैट पहनना और डाइट का ध्यान रखना तक सब शामिल है।

डाइट पर फोकस

कुछ गर्ल्स का मानना है कि गर्मी से निबटने के लिए अगर हर लेवल पर अलर्ट रहा जाए, तो बहुत सारी चीजों का बोझ उठाने की जरूरत नहीं है। इसमें वे सबसे ज्यादा जरूरी डाइट को मानती हैं। वैसे, फिगर कॉन्शस गर्ल्स से कुछ खाने की बात सुनना एक बार तो हैरान करता है, लेकिन यह अच्छी बात ही है। बीटेक पाइनल ईयर की स्टूडेंट सोनाली का फंडा भी यही है कि हीट को बीट करने के लिए डाइट पर फोकस करो। वह बताती हैं, मैं दोपहर की धूप में बाहर तक जाती हूं, तो जूस जरूर पीती हूं और सन क्रिम लगाकर ही बाहर निकलती हूं। एक्सट्रा सेफ्टी के लिए कभी-कभी वह अंब्रेला भी कैरी करती हूं।

च्वाइस है हैट

स्टाइल कॉन्शस गर्ल्स हैट च्वाइस करती हैं। आखिर हैट हॉट वेदर में प्रिकॉशन देने के साथ कूल स्टाइल भी देता है। मार्केट में तमाम तरह के हैट हैं जो धूप से बचाते हैं और साथ ही साथ स्टाइलिस लुक भी देते हैं। वैसे भी आजकल गोल हैट का क्रेज गर्ल्स में अधिक है।

मौसम कोई भी हो यूथ को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें तो बस स्टाइल से मतलब है। इसलिए तो आजकल कॉलेज गोविंग गर्ल्स फैशन के लिए पुराने फंडा को अपनाने से बच रही हैं। वे उसी चीज को अपना रही हैं, जो उनके स्टाइल से मैच करता हो। आइए, जानते हैं इनमें क्या खास है।

सिक्यूरिटी कवरिंग

कुछ लड़कियां अंब्रेला भले ही कैरी नहीं करती बल्कि लेकिन गर्मी से बचने के लिए कवर्ड ड्रेसेज पर ध्यान देती हैं। बैंक में जॉब कर रही सीमा कहती हैं कि मेरी कोशिश रहती है कि मैं पूरी तरह कवर्ड ड्रेसेज पहनूं, ताकि टैनिंग न हो। इसके अलावा, मैं सनस्क्रीन काफी यूज करती हूं। यह भी स्किन पर एक सिक्युरिटी कवर बनाता है।

ओल्ड इज गोल्ड

अधिकांश गर्ल्स हॉट वेदर में पुराने तरीकों को फॉलो नहीं करतीं, लेकिन ओल्ड को गोल्ड को मानने वाली लड़कियों की संख्या कम नहीं है। एमबीए स्टूडेंट प्राची सेन कहती हैं, हर साल गर्मी ज्यादा हो जाती है, इसलिए खुद को प्रोटेक्ट करने के लिए किसी भी चीज की वैल्यू कम नहीं कह सकते। इसलिए मैं हमेशा अपने साथ अंब्रेला रखती हूं। साथ ही, मेरे बैग में लाइट स्टोल भी रहता है, ताकि गर्म हवा मेरी स्किन को टच न करे। इसके अलावा, मैं हमेशा वाटर बॉटल भी कैरी करती हूं। हीट से बचने का सबसे बेस्ट तरीका है खूब पानी पीना।

फैशन से समझौता नहीं

नहीं है अंब्रेला क्रेज

एक समय था जब छाता से गर्मियों के बारे में पता चलता था। लेकिन अब मेट्रो शहर की गर्ल्स छाता को बॉय कह चुकी हैं। आजकल स्कार्फ का फैशन तेज है। वैसे गर्मी से बचने के लिए सनग्लासेज का यूज तेजी से बढ़ा है। इससे न केवल गर्मी से राहत मिलती है बल्कि लुक भी ग्लैमरस हो जाता है। मार्केटिंग सेक्टर में जाब करने वाली रोहिणी कहती हैं कि उन्होंने अंब्रेला से जुड़ी तमाम रिसर्च पढ़ी है। यह महज भ्रम है कि अंब्रेला लेकर चलने से धूप का असर नहीं होता। दरअसल, इससे सिर्फ शेड मिलती है। वे कहती हैं कि मैंने एक रिसर्च में पढ़ा था कि अंब्रेला हमें सिर्फ 5 फीसदी यूवी रेज से बचाता है, इसलिए मैं इस पर डिपेंड नहीं रहती। वे गर्मी से बचने के लिए ढेर सारा पानी पीती हैं। वह कहती हैं कि अगर आप ढेर सारा पानी पीकर खुद को चिल रखेंगे, तो फिर आप पर कुछ उलटा-सीधा खाने का भी असर नहीं पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना के बाद अब साइबर हैकिंग पर घिरा चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने लगाए आरोप

बीजिंग (एजेंसी)।

संयुक्त राज्य अमेरिका और सहयोगियों के गठबंधन ने सोमवार को चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय पर एक वैश्विक साइबर हैकिंग अभियान का आरोप लगाया है।विशेष रूप से इस साल की शुरुआत में बीजिंग की ओर से काम करने वाले हैकर्स के लिए एक बड़े स्र्ब्र्ष्श्म्ह्यश्द्बह्ल हमले का खुलासा किया। सोमवार सुबह जारी व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट के अनुसार चीन के साथ तनाव का एक नया क्षेत्र खुल गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका आरोप लगाने के लिए नाटो, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड और कनाडा के साथ खड़ा हो गया है। अमेरिकी वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी ने घोषणा से पहले संवाददाताओं से कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका और हमारे सहयोगी और साझेदार दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों के पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के) पैटर्न के और विवरण को उजागर कर रहे हैं और इसका मुकाबला करने के लिए आगे की कार्रवाई कर रहे हैं।' वाशिंगटन में चीनी दूतावास ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। चीनी अधिकारियों ने पहले कहा है कि चीन भी हैकिंग का शिकार है और सभी प्रकार के साइबर हमलों का विरोध करता है। अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी संघीय एजेंसियां, जिनमें राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, एफबीआई और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी शामिल हैं, 50 से अधिक तकनीकों और प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करेंगी, जिनका उपयोग चीनी एजेंसी अमेरिकी नेटवर्क को टारगेट करने में करते हैं। अधिकारी ने कहा, 'हम दिखाएंगे कि कैसे पीआरसी का एमएसएस, राज्य सुरक्षा मंत्रालय, आपराधिक अनुबंध हैकर्स का उपयोग अपने निजी लाभ सहित वैश्विक स्तर पर बिना लाइसेंस के साइबर संचालन करने के लिए करता है।' संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल के महीनों में रूस पर भारी ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें रूसी साइबर हैकर्स पर संयुक्त राज्य अमेरिका में रैंसमवेयर हमलों की एक स्ट्रिंग का आरोप लगाया गया है। सोमवार की घोषणा में, अमेरिकी अधिकारियों ने औपचारिक रूप से चीनी सरकार को 'उच्च आत्मविश्वास के साथ' हैक करने के लिए दोषी ठहराया, जिसने माइक्रोसॉफ्ट ईमेल सेवा का उपयोग करके संयुक्त राज्य में व्यवसायों और सरकारी एजेंसियों को मारा। Microsoft (MSFT.O) पहले ही चीन पर जम्मिेदारी लेने का आरोप लगा चुका है। ऑपरेशन ने विशेष रूप से माइक्रोसॉफ्ट के एक्सचेंज प्रोग्राम, एक सामान्य ईमेल सॉफ्टवेयर में कमजोरियों का फायदा उठाया। बाइडेन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चीनी साइबर गतिविधियों के बारे में अमेरिकी चिंताओं को वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के साथ उठाया गया है। अधिकारी ने कहा, 'दुनिया भर के देश यह स्पष्ट कर रहे हैं कि पीआरसी की दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधि के बारे में चिंताएं उन गतिविधियों को बंद करने, नेटवर्क रक्षा और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने और हमारी अर्थव्यवस्थाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों को बाधित करने के लिए एक साथ ला रही हैं।' अधिकारी ने कहा कि चीन के लिए जिम्मेदार हैकिंग के दायरे और पैमाने ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ-साथ चीन के 'आपराधिक अनुबंध हैकर्स' के उपयोग को आश्चर्यचकित कर दिया है।

नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर काम करने का इच्छुक हूं!

काठमांडू। नेपाल के नए प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने कहा है कि वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ निकटता से मिलकर काम करने के इच्छुक हैं, ताकि दोनों पड़ोसी देशों के संबंध मजबूत किए जा सकें और लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने पर देउबा को रविवार रात को बधाई दी थी। मोदी ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को बधाई और सफल कार्यकाल के लिये शुभकामनाएं। मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं।''

देउबा ने इस बधाई संदेश के लिए अपने भारतीय समकक्ष का धन्यवाद किया और दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई। उन्होंने रविवार देर रात ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बधाई संदेश देने के लिए आपका बहुत बहुत शुक्रिया।'' 75 वर्षीय देउबा ने बहाल की गई प्रतिनिधि सभा में आसानी से विश्वास मत जीत लिया। इसी के साथ कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच हिमालयी देश में आम चुनाव टल गए। नेपाली कांग्रेस के देउबा ने 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 मत हासिल किए। उन्हें उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद 12 जुलाई को संविधान के अनुच्छेद 76(5) के तहत प्रधानमंत्री बनाया गया था। देउबा को संसद का विश्वास हासिल करने के लिए कुल 136 मतों की आवश्यकता थी।

ब्रिटेन में बोरिस जॉनसन, ऋषि सनक खुद को आइसोलेट करेंगे

लंदन (एजेंसी)।

डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और चांसलर ऋषि सनक स्वास्थ्य सचिव साजिद जाविद के संपर्क में आने पर खुद को आइसोलेट करेंगे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को डाउनिंग स्ट्रीट की घोषणा के अनुसार, उन्होंने दैनिक परीक्षण पायलट योजना में भाग लेकर खुद को आइसोलेट से बचने के युगल के प्रारंभिक निर्णय पर एक यू-टर्न को चिह्नित किया, जिससे देश में भारी जन आक्रोश फैल गया था। यू-टर्न के बाद ट्विटर पर एक वीडियो में बोलते हुए, जॉनसन ने कहा- हमने पायलट योजना में भाग लेने के विचार पर संक्षेप में देखा, जो लोगों को दैनिक परीक्षण करने की अनुमति देता है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि हर किसी के लिए एक समान नियम हैं और इसलिए मैं सोमवार 26 जुलाई तक खुद को आइसोलेट करने जा रहा हूं। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि यह सब कितना निराशाजनक है, लेकिन मैं वास्तव में सभी से कार्यक्रम के साथ रहने और एनएचएस टेस्ट और ट्रेस द्वारा ऐसा करने के लिए कहा जाने पर उचित कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं। जॉनसन अब अपने ग्रामीण इलाकों के रिंटीट चेकर्स से दूर बैठकें आयोजित करेंगे। सनक ने ट्विटर पर कहा- जबकि परीक्षण और ट्रेस पायलट काफी प्रतिबंधात्मक है, केवल आवश्यक सरकारी व्यवसाय की अनुमति देता है, मैं मानता हूं कि यहां तक कि यह भावना भी गलत है कि नियम सभी के लिए समान नहीं हैं। 16 जुलाई को पॉजिटिव परीक्षण के बाद, पिछले महीने मैट हैनकॉक की जगह लेने वाले जाविद अब अपने परिवार के साथ घर पर खुद को आइसोलेट कर रहे हैं। जाविद ने कहा कि उनके पास टीके के दो खुराक हैं और उनके लक्षण हल्के हैं। इंग्लैंड में लॉकडाउन से बाहर होने वाले इंग्लैंड के रोडमैप के अंतिम चरण, या चरण चार के हिस्से के रूप में सोमवार को इंग्लैंड में अधिकांश कोविड -19 प्रतिबंधों को उठाने से एक दिन पहले यह विकास हुआ। लगभग सभी कानूनी प्रतिबंध समाप्त होने हैं, जिसमें कितने लोग मिल सकते हैं, और नाइटक्लब फिर से खुलेंगे, लेकिन सेल्फ-आइसोलेट के नियम बने रहेंगे। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस स्तर पर सभी प्रतिबंध हटाने से खतरनाक रूपों की संभावना बढ़ सकती है। देश में अब तक कोरोना वायरस के 5,455,043 पुष्ट मामले और 128,985 मौतें दर्ज की गई हैं।

चीन ने 'ग्रेट बैरियर रीफ' को ''खतरे'' की श्रेणी में डालने के यूनेस्को के मसौदे का किया समर्थन

बीजिंग। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व धरोहर समिति की इस वर्ष की बैठक की मेजबानी कर रहे चीन ने ऑस्ट्रेलिया सरकार के संदेह के खिलाफ 'ग्रेट बैरियर रीफ' को ''लुप्तप्राय होने के खतरे'' की श्रेणी में डालने के यूनेस्को के मसौदे का समर्थन किया है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने संदेह व्यक्त किया था कि चीन ऐसा राजनीतिक कारणों से कर रहा है। चीन के फूझोउ शहर में अगले दो सप्ताह तक चलने वाली समिति की बैठक में शुक्रवार को इस मसौदे पर विचार किया जाएगा। यह बैठक ऑनलाइन भी आयोजित की जा रही है। चीन के उप शिक्षा मंत्री एवं इस साल के सत्र के अध्यक्ष तियान जुएजुन ने कहा, '' विश्व धरोहर समिति के सदस्य देश के तौर पर ऑस्ट्रेलिया को सलाहकार निकायों की राय को महत्व देना चाहिए और अन्य देशों के खिलाफ आधारहीन आरोप लगाने के बजाय विश्व धरोहर संरक्षण के कर्तव्य को ईमानदारी से पूरा करना चाहिए।''

यूनेस्को समिति विश्व विरासत सूची में नए स्थानों को शामिल करने, कुछ को हटाने और अन्य को खतरे की श्रेणी में डालने पर विचार करेगी। शुक्रवार को शुरू हुए सत्र के पहले संवाददाता सम्मेलन में तियान ने कहा कि 'ग्रेट बैरियर रीफ' संबंधी प्रस्ताव ऑस्ट्रेलिया द्वारा मुहैया कराई जानकारी और एक सलाहकार निकाय की सिफारिशों पर आधारित है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने पिछले महीने मसौदे को जारी किए जाने के बाद ही इसकी कड़ी निंदा की थी। ऑस्ट्रेलियाई पर्यावरण मंत्री सुसान ले ने चीन का नाम लिए बिना कहा था, '' यह निर्णय सही नहीं है। यकीनन इसके पीछे राजनीतिक कारण हैं। चीनी प्रौद्योगिकी और प्रमुख बुनियादी ढांचे में निवेश पर ऑस्ट्रेलिया के रोक लगाने और चीन के ऑस्ट्रेलिया से अपने आयात को कम करने के लिए शुल्क तथा अन्य कदम उठाने से दोनों देशों के संबंध हाल ही में काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

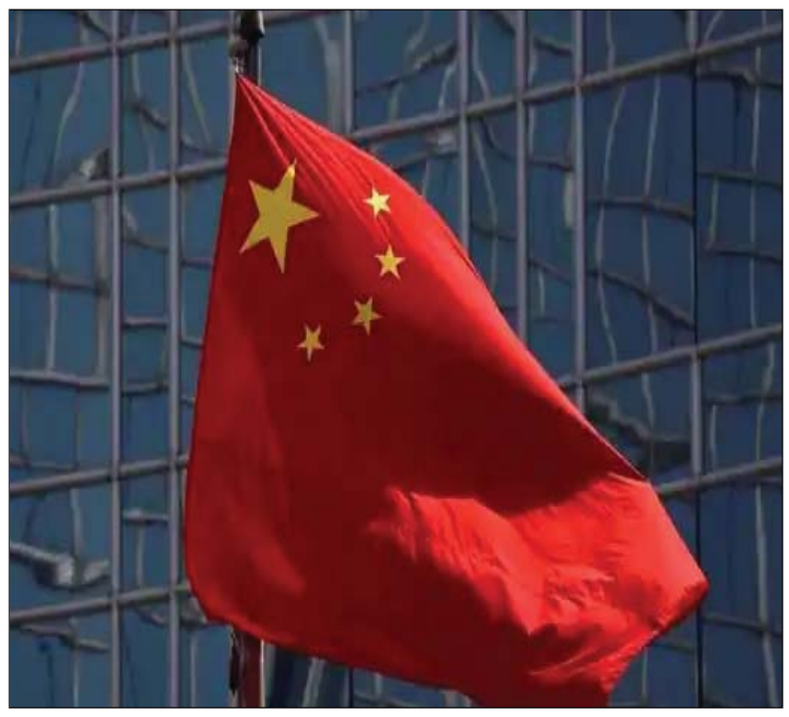

अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी के अपहरण मामले को शीघ्र सुलझाने का पाकिस्तान ने किया वादा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी के अपहरण से पहले जिन तीन टैक्सियों से उन्होंने सफर किया था, उनके चालकों से पूछताछ की गई है। साथ ही उन्होंने इस मामले को शीघ्र सुलझा लेने की उम्मीद जताई है। पाकिस्तान में अफगानिस्तान के राजदूत नजीबुल्लाह अलीखिल की 26वर्षीय बेटी का शुक्रवार को इस्लामाबाद में अज्ञात लोगों ने 'अपहरण किया'',''प्रताड़ित किया''और उसके साथ ''मारपीट'' की। सिलसिला अलीखिल को उस वक्त अगवा किया गया जब वह किराए के वाहन से कहीं जा रही थीं। रिहा करने से पहले उन्हें कई घंटे बंधक बनाए रखा गया। अलीखिल राजधानी के एफ-9 पार्क इलाके में पाई गई थीं और उनके शरीर पर चोट के निशान थे। गृह मंत्री शेख राशिद ने मीडिया को बताया,''पुलिस अफगान राजदूत की बेटी के मामले की जांच कर रही है.....हमने उनके (अलीखिल) अनुरोध पर मामला दर्ज कर लिया है।'' समाचारपत्र डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार जिन तीन टैक्सियों पर अलीखिल बैठी थीं, उनके चालकों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। राशिद ने कहा कि अपहरणकर्ताओं को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा और अधिकारी जांच की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं,साथ ही उन्होंने वादा किया कि पुलिस जांच पूरी होने पर सारी जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने बताया कि पहला टैक्सी चालक उन्हें खाद्दर बाजार ले कर गया, दूसरा चालक उन्हें रावलपिंडी और तीसरा चालक उन्हें दमन-आई-कोह से ले कर आया। रावलपिंडी से दमन-आई-कोह तक की यात्रा के फुटेज मिल नहीं रहे हैं और मामले की जांच की जा रही है। इस बीच, अलीखिल की ओर से पुलिस को दिए गए बयान में कहा गया कि वह एक उपहार खरीदने गई थीं और उन्होंने एक टैक्सी किराए पर ली। लौटते वक्त पांच मिनट की यात्रा के बाद टैक्सी चालक वाहन सड़क किनारे ले गया। वहीं एक और व्यक्ति आ गया और उस पर चिल्लाने लगा और उसके बाद उसने मारपीट शुरू कर दी। राजदूत की बेटी ने कहा,'' मैं डर के मारे बेहोश हो गई।'' अलीखिल ने कहा कि होश आने पर उन्होंने खुद को ''गंदे स्थान'' पर पाया। इसके बाद उन्होंने पास के एक पार्क में जाने के लिए टैक्सी की और वहां से अपने पिता के सहयोगी को फोन किया,जो उन्हें घर ले कर गए। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान में अफगान राजदूतों और उनके परिवारों की सुरक्षा के प्रति चिंता जताई है।

इथियोपिया में दूसरी बार बांध भरने के बावजूद नील का जलस्तर स्थिर

खार्तूम (एजेंसी)।

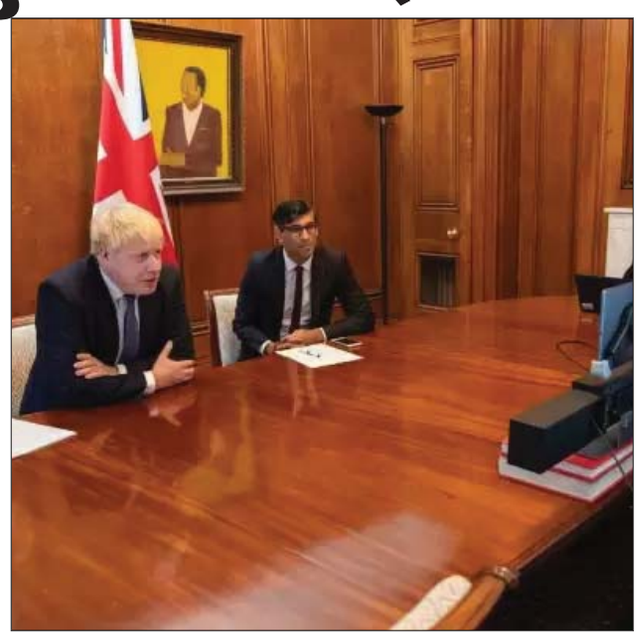

सूडान के एक अधिकारी ने कहा कि इथियोपिया द्वारा विवादित ग्रैंड इथियोपियन रेनेसां डैम (जीईआरडी) को दूसरी बार भरने के बावजूद नील नदी का जल स्तर स्थिर है।

सूडान के अल-रुसारेस बांध के निदेशक हामिद मोहम्मद अली ने रविवार को बयान में कहा, अप्रैल के बाद से, इथियोपिया के साथ सीमा पर अल-दाइम स्टेशन ने इथियोपिया के पठार से सूडान में आने वाले पानी के दैनिक स्तर में किसी भी गिरावट की निगरानी नहीं की है। उन्होंने कहा कि हालांकि इथियोपिया ने जीईआरडी की दूसरी फिलिंग शुरू की, फिर भी दैनिक पानी की मात्रा स्थिर है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अली ने जोर देकर कहा कि इथियोपिया द्वारा जीईआरडी भरने के दूसरे चरण की शुरूआत के बावजूद, बांध को भरने और संचालन के संबंध में एक कानूनी और बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। ब्लू नाइल पर अल-रुसैरेस बांध, जो जीईआरडी से लगभग 100 किमी दूर है, 1966 में 335 करोड़ क्यूबिक मीटर की भंडारण क्षमता के साथ स्थापित किया गया था। जीईआरडी को भरने और संचालन से संबंधित तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर अफ्रीकी संघ की छत्रछाया में सूडान, मिस्र और इथियोपिया वर्षों से बातचीत कर रहे हैं। सूडान ने जीईआरडी विवाद को सुलझाने पर संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अमेरिका और अफ्रीकी संघ की मध्यस्थता चौकड़ी का प्रस्ताव रखा। हालांकि इथियोपिया ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। फरवरी में, इथियोपिया ने कहा कि वह जून में जीईआरडी के दूसरे चरण के 135 करोड़ क्यूबिक- मीटर भरने के साथ आगे बढ़ेगा। पिछले साल पहले चरण की फिलिंग की मात्रा 490 करोड़ क्यूबिक मीटर थी। इथियोपिया, जिसने 2011 में जीईआरडी का निर्माण शुरू किया था, बांध परियोजना से 6,000 मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन करने की उम्मीद करता है। मिस्र और सूडान, डाउनस्ट्रीम नील बेसिन देश, जो अपनी मीठे पानी की जरूरतों के लिए नील नदी पर निर्भर हैं, वो इस बात से चिंतित हैं कि जीईआरडी जल संसाधनों के उनके हिस्से को प्रभावित करेगा।

सार समाचार

पाकिस्तान में भीषण बस हादसा, 30 लोगों की मौत; कई घायल

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के डेरा गाजी खान जिले में एक राजमार्ग पर एक यात्री बस के एक ट्रक से सोमवार को टकरा जाने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। हताहत लोगों में अधिकतर वे श्रमिक हैं, जो ईद-उल-अजहा मनाने के लिए अपने गृहनगर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि बस सियालकोट से राजनपुर जा रही थी, तभी वह डेरा गाजी खान जिले के ताउनसा बाईपास के पास सिंधु राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में सवार अधिकतर लोग वे श्रमिक थे, जो ईद-उल-अजहा मनाने केलिए अपने गृहनगर जा रहे थे। घायलों को एक निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के चिकित्साकर्मियों ने बताया कि 18 लोगों की अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो चुकी थी। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने पुष्टि की कि डेरा गाजी खान के पास दुर्घटना में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार और गृह मंत्री शेख रशीद ने घटना पर दुख जताया है। पाकिस्तान में अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और इनमें से ज्यादातर वाहनों की तेज गति, खराब सड़कों और अप्रशिक्षित चालकों के कारण होती है।

मिस्र ने अल-अक्सा मस्जिद के खिलाफ इजरायली चरमपंथियों द्वारा उल्लंघन की निंदा की

काहिरा। मिस्र ने पूर्वी यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद के खिलाफ इजरायल के चरमपंथियों द्वारा नए सिरे से उल्लंघन की निंदा की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक बयान में, विदेश मंत्रालय ने अल-अक्सा मस्जिद को नुकसान पहुंचाने के खिलाफ चेतावनी दोहराते हुए, मिस्र द्वारा इन उल्लंघनों को पूरी तरह से खारिज करने की पुष्टि की, जो दुनिया भर के मुसलमानों के बीच एक महान स्थान रखता है। बयान में कहा गया है, मस्जिद मुसलमानों के लिए पूजा की जगह है और सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए इजरायल के अधिकारी नमाजियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्रालय ने मांग की कि इजरायल दो-राज्य समाधान के ढांचे के भीतर संबंधित अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों के आधार पर इजरायल-फिलिस्तीनी शांति प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, कोई भी कार्रवाई करने से बचना चाहिए जिससे वृद्धि हो सकती है। सैकड़ों यहूदियों ने रविवार को पूर्वी यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद परिसर का दौरा किया, जो यहूदी पवित्र दिन तिशा बाव को चिह्नित करने के लिए था, जब यहूदी 586 ईसा पूर्व और 70 ईस्वी में अपने बाइबिल मंदिरों के विनाश की सालगिरह को चिह्नित करते हैं। सुबह-सुबह, इजरायली पुलिस ने परिसर पर धावा बोल दिया और मुस्लिम उपासकों से भिड़ गए।

उरुग्वे ने टीकाकरण वाले विदेशियों के लिए सीमाओं को फिर से खोलने की योजना बनाई

मोंटेवीडियो। उरुग्वे के राष्ट्रपति लुइस लैकले पो ने कहा कि देश अपनी सीमाओं को उन विदेशियों के लिए फिर से खोलने की योजना बना रहा है, जिन्हें साल के अंत तक कोविड के खिलाफ टीका लगाया गया है। उन्होंने रविवार को कहा सबसे कठिन हिट क्षेत्रों में से एक जिसे हमें दोबारा सक्रिय करने में मदद करनी है, वह पर्यटन है। हम कुछ लोगों के लिए (दक्षिणी गोलार्ध) वसंत में सीमाएं खोलने की योजना बना रहे हैं .. जो कोविड के टीके ले चुके हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने 17 जुलाई को डेल्टा स्ट्रेन के पहले मामलों और चिंता के अल्फा और बीटा वेरिएंट के कारण दो अन्य मामलों का पता लगाने की पुष्टि की। अधिकारियों के अनुसार, उरुग्वे की 69 प्रतिशत से अधिक आबादी को पहले ही एक कोविड वैक्सीन की पहली खुराक मिल चुकी है और 57 प्रतिशत से अधिक को पूरी तरह से टीका लगाया जा चुका है। चार सप्ताह से ज्यादा के लिए, दक्षिण अमेरिकी देश ने इस साल अप्रैल और जून के बीच मामलों और मौतों में स्पाइक के बाद कम संक्रमण, सक्रिय मामले, अस्पताल में भर्ती और मौतें दर्ज की हैं। उरुग्वे ने कोविड के 378,733 मामले और 5,879 मौतें दर्ज की हैं।

थाईलैंड के अधिकांश क्षेत्रों में आंशिक लॉकडाउन लागू

बैंकॉक। थाईलैंड में कोविड के आंकड़े बढ़ने के बाद प्रतिबंधात्मक उपायों का विस्तार किया जाएगा जिसमें यात्रा प्रतिबंध, नाइट कर्फ्यू और शॉपिंग मॉल को बंद करना शामिल है। सेंटर फॉर कोविड 19 सिचुएशन एडमिनिस्ट्रेशन (सीसीएसए) के अनुसार, दक्षिण पूर्व एशियाई देश ने रविवार को 11,397 नए मामले और 101 मौतें दर्ज कीं, जिसमें संक्रमणों की कुल संख्या 403,386 और संचयी मृत्यु दर 3,341 हो गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार से शॉपिंग मॉल बंद रहेंगे, जबकि रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक यात्रा प्रतिबंध और कर्फ्यू रहेगा। शाही राजपत्र की घोषणा के अनुसार ये उपाय 14 दिनों तक चलेगा। राजधानी बैंकॉक और नौ प्रांतों को 12 जुलाई से कम से कम 14 दिनों के लिए इस तरह के आंशिक तालाबंदी के तहत रखा गया है, क्योंकि देश प्रकोप की सबसे खराब लहर से जूझ रहा है। थाईलैंड अधिक टीकों को सुरक्षित करने की कोशिश कर रहा है क्योंकि थाईलैंड ने वर्ष के अंत तक अपनी लगभग 7 करोड़ आबादी के लगभग 70 प्रतिशत को टीका लगाने का लक्ष्य रखा है। सीसीएसए के अनुसार, अब तक, देश ने वैक्सीन की 1.42 करोड़ से अधिक खुराकें दी हैं, जिसमें कुल आबादी के 5 प्रतिशत से भी कम लोगों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। उप प्रधान मंत्री और जन स्वास्थ्य मंत्री अनुतिन चरनविराकुल ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि थाईलैंड ने अमेरिका से फाइजर वैक्सीन की 5 करोड़ से अधिक खुराक खरीदने की योजना बनाई है, इसके अलावा अक्टूबर और दिसंबर के बीच निर्धारित डिलीवरी के साथ 2 करोड़ खुराक का ऑर्डर दिया गया है। अनुतिन के अनुसार, नई खरीद योजना को अभी तक मंत्रियों के कैबिनेट द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्वान को बचाने के प्रयास में कार पलटी, दो युवकों की मौत, 3 घायल

क्रांति समय दैनिक

जामनगर, शहर के निकट पडाणा पाटिया के निकट श्वान को बचाने के प्रयास में एक कार पलट गई। इस हादसे में कार में सवार दो युवकों की मौत हो गई। जबकि 3 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और एम्ब्युलैंस 108 ने घायलों को निकट के अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक जामनगर हाईवे से एक कार गुजर रही थी। जामनगर के निकट पडाणा पाटिया के निकट एक श्वान अचानक सड़क पर आ गया। श्वान को बचाने के प्रयास में ड्राइवर ने स्टेयरिंग नियंत्रण गंवा दिया और कार पलटी खा गई। घटना के वक्त कार में 5 युवक सवार थे। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और कार में फंसे लोगों को निकालने के साथ ही पुलिस और एम्ब्युलैंस को सूचना दे दी। हांलाकि एम्ब्युलैंस के पहुंचने से पहले दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। एम्ब्युलैंस 108 के जरिए घायल युवकों को निकट के अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर सापुतारा में बारिश की धीमी शुरुआत से तीर्थयात्रियों के लिए आकर्षण का माहौल बना हुआ है।

दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड समेत कई इलाकों में पिछले दो-तीन दिनों से मेघराज बारिश हो रही है. उस समय नवसारी और डांग जिलों में सोलह कलाओं में प्रकृति का विकास हुआ है। बरसात के मौसम के कारण गिरिमठक सापुतारा और गिरधोध के आसपास का क्षेत्र मनोरम है। आजकल दूर-दूर से लोग यहां के प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेने के लिए यहां आ रहे हैं। डांग जिले और अपस्ट्रीम में तेज आंधी सक्रिय है। गिराधोध के सक्रिय होते ही सुंदर दृश्य रचे गए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि गिराधोध हमेशा मानसून के दौरान क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा स्थान रहा है। आने वाले दिनों में पर्यटकों की आमद भी बढ़ने की संभावना है।

संतरामपुर गर्भपात मामले में पुलिस ने दो महिलाओं को किया गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

महीसागर,दो दिन पहले महीसागर जिले के संतरामपुर में गैरकानूनी गर्भपात का मामला सामने आया था। इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए महीसागर एलसीबी ने दो महिलाओं को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक महीसागर जिले के संतरामपुर में गैरकानूनी गर्भपात का खुलासा हुआ था। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आ गया और मामले की जांच शुरूकर दी। वीडियो में दावा किया गया था कि यह मामला संतरामपुर के शिकारी मुहल्ले का है। वीडियो के आधार पर पुलिस की तफ्तीश में पता चला कि जिस घर में गैरकानूनी रूप

से गर्भपात कराया जाता था, उस घर में कालीबेन संगाडा नामक महिला पिछले 8 साल से किराए पर रहती है। कालीबेन के घर की जांच में पुलिस को गर्भपात की गोलियां मिली हैं| कालीबेन अस्पताल में बतौर नर्स सेवारत है। हांलाकि वीडियो में दिखने वाली महिला कालीबेन होने की फिलहाल पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। लेकिन पुलिस को पता चला है कि कालीबेन पिछले 15 दिनों से घर नहीं आ रहीं। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि सोशल मीडिया पर वायरल गर्भपात का वीडियो पुराना है। पुलिस ने कालीबेन संगाडा के साथ मुन्नीबेन नामक महिला को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल दोनों महिलाओं से पुलिस पूछताछ कर रही है।

कुख्यात गैंगस्टर रवि पुजारी अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की कस्टडी में

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, कु ख्यात गैंगस्टर रवि पुजारी को अहमदाबाद लाया जा रहा है। गुजरात समेत देश के प्रमुख उद्योगपतियों से फिरौती वसूली, मानव तस्करी, ड्रग्स जैसे करीब 200 से भी ज्यादा आपराधिक मामले रवि पुजारी के खिलाफ दर्ज हैं। गुजरात में रवि पुजारी के खिलाफ 50 जितने मामले दर्ज हैं। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ट्रांसफर वारंट के आधार पर रवि पुजारी को कर्नाटक के बैंग्लोर से लेकर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गई है। बता दें कि वर्ष 2017 में आणंद के बोरसद नगर पालिका के चुनाव में चंद्रेश पटेल ने हार के बाद सुपारी दी थी। इस मामले में 6 लोगों के खिलाफ बोरसत में फायरिंग और हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया था। जिसमें रवि पुजारी के शार्पशूटर सुरेश पिल्लई, शब्बीर मोमिन और चंद्रेश पटेल के दोस्त घनश्याम को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में घनश्याम के साढू श्यामगिरी भी शामिल था। इस मामले में रवि पुजारी को ट्रांसफर वारंट के आधार पर अहमदाबाद लाया जा रहा है। कर्नाटक का मूल निवासी रवि पुजारी ने वर्ष 1990 में गैंगस्टर छोटा राजन के गिरोह में काम करना शुरू किया था। जिसके बाद रवि पुजारी ने अपना गिरोह बना लिया और फिरौती वसूली, मानव तस्करी, ड्रग्स तस्करी करने लगा। देश के जाने माने उद्योगपतियों समेत बोलीवुड की कई मशहूर हस्तियों को भी रवि पुजारी धमकी दे चुका है।

सार-समाचार

24 घंटों में राज्य की 99 तहसीलों में बारिश, वलसाड में 9 ईंच से अधिक बारिश

अहमदाबाद, कई दिनों के विराम के बाद पिछले एक सप्ताह में बारिश गुजरात को भिगो रही है। पिछले 24 घंटों में राज्य की 99 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक वलसाड जिले के उमरगाम और वापी में करीब 9.25 ईंच बारिश दर्ज हुई। जबकि सूरत के कामरेज, बारडोली और पलसाणा में 8 ईंच बारिश हुई। वहीं सूरत शहर में ६ ईंच बारिश दर्ज हुई। 24 घंटों में दक्षिण गुजरात के कई शहरों में जबर्दस्त बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। दक्षिण गुजरात के अलावा सौराष्ट्र में रविवार को धुआंधार बारिश हुई। राज्य की 4 तहसीलों में 24 घंटों के दौरान 8 ईंच से अधिक बारिश हुई। जबकि राज्य की 20 तहसीलों में 4 से ज्यादा बारिश दर्ज हुई। 30 तहसीलों में 2 ईंच से अधिक और 43 तहसीलों में 1 ईंच से ज्यादा बारिश हुई है। आज सुबह 19 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक वलसाड के कपराडा में दो घंटे में 2.25 ईंच बारिश हुई है।

बनासकांठा में सीमा सुरक्षा बल के 20 जवान कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद, बनासकांठा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 20 जवानों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कम्प मच गया है। राज्य में पिछले कई दिनों से कोरोना के मामलों में लगातार कमी आने से सरकार ने प्रतिबंधों में ढील दी है, परंतु कोविड नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत भी दी है। लेकिन छूट मिलते ही लोग लापरवाही हो गए हैं और कोविड नियमों की धज्जियां उडाकर कोरोना की तीसरी लहर को दस्तक दे रहे हैं। राज्य में कोरोना किसी हद तक काबू आने के बीच बनासकांठा में एक साथ 20 नए मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। जानकारी के मुताबिक नागालैंड से आए बीएसएफ के 20 जवानों में लक्षण दिखने पर उनका टेस्ट करवाया गया था। टेस्ट में 20 जवानों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सभी जवानों को आइसोलेट किया गया है। एक साथ 20 नए मामले सामने आने के बाद बनासकांठा जिले का थराद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है और आवश्यक कार्यवाही कर रहा है। बता दें कि रविवार को राज्य में कोरोना के 37 नए केस दर्ज हुए थे, जबकि 71 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया था। जबकि एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई थी। राज्य में कोरोना के 493 सक्रिय मरीज हैं, जिसमें 488 स्टेबल हैं और 5 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उत्तर प्रदेश : किशोरी से कथित सामूहिक दुष्कर्म और धर्मांतरण के तीन आरोपी गिरफ्तार

बागपत (उत्तर प्रदेश)। बागपत जिले में अल्पसंख्यक समुदाय के युवकों पर अनुसूचित जाति की एक लड़की को प्रेम जाल में फंसा कर उससे दुष्कर्म करने और उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में मुख्य आरोपी और उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के आधार पर सोमवार को बताया कि बागपत कोतवाली क्षेत्र निवासी 15 वर्षीय एक किशोरी ने आरोप लगाया है कि पहले से ही शादीशुदा शहजाद नामक 26 वर्षीय युवक ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। शहजाद के परिजन ने उसका गर्भपात कराने की कोशिश की। गर्भपात कराने का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। लड़की के परिजन का आरोप है कि दबाव बनाने पर शहजाद ने पिछली छह जुलाई को शादी करने के बहाने उनकी बेटी को अपने घर बुलाया और बंधक बना लिया। उनका यह भी आरोप है कि आठ जुलाई को शहजाद के भाई बिलाल और फरमान ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया। परिजन का दावा है कि लड़की पिछली 10 जुलाई को अपने घर पहुंची। उस समय वह बहुत डरी हुई थी। तबीयत खराब होने पर दवा लाकर दी गई।

अशोक गहलोत ने दी सिद्धू को बधाई, कहा- पार्टी की रीति-नीति को आगे बढ़ाएंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को उम्मीद जताई कि पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू सभी को साथ लेकर पार्टी की रीति-नीति को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। उल्लेखनीय है कि अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रविवार को नवजोत सिंह सिद्धू को पार्टी की पंजाब इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया था। गहलोत ने इसके लिए सिद्धू को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने ट्वीट किया, '' कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया जी ने नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने की घोषणा कर दी है। सिद्धू को बधाई व शुभकामनाएं। उम्मीद है कि वह कांग्रेस पार्टी की परम्परा का निर्वहन भी करेंगे तथा सभी को साथ लेकर पार्टी की रीति-नीति को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।'' गहलोत के अनुसार, कांग्रेस की परम्परा रही है कि हर निर्णय से पहले सभी से राय-मशविरा होता है तथा सभी को अपनी बात रखने का मौका मिलता है। सबकी राय को ध्यान में रखकर जब एक बार पार्टी आलाकमान फैसला ले लेता है, तब कांग्रेस के सभी सदस्य एकजुट होकर उसे स्वीकार करने की परम्परा को निभाते हैं। यही कांग्रेस की आज भी सबसे बड़ी ताकत है।

भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कश्मीर के खीर भवानी मंदिर में किए दर्शन-पूजन

श्रीनगर। बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में माता खीर भवानी मंदिर में दर्शन किए। श्रीनगर शहर से 25 किलोमीटर दूर स्थित माता खीर भवानी मंदिर में हेमा मालिनी के दर्शन के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। बॉलीवुड अभिनेत्री ने एक झरने के बीच में स्थित मंदिर में माथा टेका। गांदरबल जिले के तुल्लामुल्ला गांव में माता खीर भवानी मंदिर कश्मीरी पंडितों का सबसे पवित्र मंदिर है। दशकों पहले खूनी उग्रवादी हिंसा के प्रकोप के बाद घाटी के बाहर विभिन्न स्थानों पर प्रवास कर रहे कश्मीरी पंडित इस साल 26 मई को आयोजित वार्षिक उत्सव के दौरान देवी का आशीर्वाद लेने के लिए देशभर से आए थे।

कच्छ के एक गांव में महिलाओं के मुद्दों के लिए होगी बालिका पंचायत, कराए जा रहे चुनाव

नयी दिल्ली। लोकप्रिय टेली सोप 'बालिका वधू' से प्रेरणा लेते हुए, कच्छ की एक गांव बालिका पंचायत करने का फैसला लिया गया है। इस कदम का उदेश्य गांव की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में काम करना है। इसके तहत महिलाओं के मुद्दों का समाधान किया जाएगा वह भी लड़कियों के लिए, लड़कियों द्वारा, लड़कियों का शासन! भुज में जिला मुख्यालय से लगभग 18 किमी दूर कुनरिया गांव है जिसकी आबादी लगभग 4,000 के आसपास है। गांव की 10 से 21 साल की युवा महिलाएं चुनाव लड़ेंगी। यह केवल लड़कियों का भी परिषद होगा जो कि सामान्य परिषद की ही तरह चलेगा। लेकिन लड़कियों का परिषद केवल लड़कियों और महिलाओं से संबंधित मुद्दों का ही समाधान करेगी। इसके लिए चुनाव भी हो रहे हैं जिसमें सरपंच पद के लिए चुनावी मैदान में 8 उम्मीदवार थे जिनमें से चार ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है।

शोपियां में लश्कर का टॉप कमांडर

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के चेक सादिक इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान मारे गए दो आतंकवादियों में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का शीर्ष कमांडर भी शामिल है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि शोपियां पुलिस द्वारा गांव चेक-ए-सिद्दीकी खान इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसमें सीआरपीएफ की सेना की 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178 बीएन शामिल थे। तलाशी अभियान के दौरान, जैसा कि आतंकवादियों की उपस्थिति का पता चला था, उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए बार-बार अवसर दिए गए थे, हालांकि, उन्होंने संयुक्त खोज दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ हुई। पुलिस ने कहा, आगामी मुठभेड़ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए और उनके शव मुठभेड़ स्थल से बरामद किए गए। उनकी पहचान शोपियां के हफ्शीरमल निवासी इश्फाक अहमद डार के रूप में हुई है और वह 2017 से सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर था।

देश के 15,07,708 स्कूलों में से केवल 12,57,897 स्कूलों में है बिजली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक देश के लाखों स्कूलों में बिजली की व्यवस्था नहीं है। सोमवार को यह विषय संसद में उठाया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से प्रश्न करते हुए लोकसभा सांसदों ने पूछा कि क्या यह सच है कि यूडीआईएससी रिपोर्ट (2019-20) के अनुसार देश के केवल 80 फीसदी स्कूलों में बिजली है।

इसके उत्तर में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (यूडीआईएसई) 2019-20 के अनुसार देश में 15,07,708 स्कूल हैं, जिनमें से 12,57,897 स्कूलों में बिजली है।

स्कूलों में बिजली की कमी पर सांसद भर्तृहरि महताबी ने पूछा कि यदि केवल 80 फीसदी स्कूलों में बिजली है, तो उन स्कूलों का ब्यौरा दें जहां बिजली नहीं है और सरकार की कार्य योजना में कब तक सभी स्कूलों में बिजली उपलब्ध होने की संभावना है।

जवाब में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 15,07,708 स्कूलों में से 12,57,897 स्कूलों में बिजली होने की बात कही। साथ ही कहा कि स्कूलों में बिजली उपलब्ध कराने सहित स्कूलों में बुनियादी ढांचे में सुधार एक सतत प्रक्रिया है। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना - समग्र शिक्षा शुरू की है, जो 1 अप्रैल से सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) और शिक्षक शिक्षा (टीई) की तीन पूर्ववर्ती केंद्र प्रायोजित योजनाओं को शामिल करती है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि 2018 समग्र शिक्षा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिजली सहित स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार पर केंद्रित है। इसके अलावा, शिक्षा एक समवर्ती विषय होने के कारण, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से भी इस गतिविधि को करने की अपेक्षा की जाती है।

गौरतलब है कि कोरोना महामारी के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में स्कूल एवं शिक्षण संस्थान बंद हैं। ऐसे में अधिकांश छात्रों को ऑनलाइन और अन्य शिक्षा मुहैया कराई जा रही है। देश के कई स्थानों पर ऑनलाइन अथवा ऐसे अन्य शिक्षा के संसाधनों की कमी है। इसके कारण छात्रों से फोन कॉल के जरिए भी संपर्क किया जा रहा है। इसके अलावा कई स्थानों पर अभिभावकों को छात्रों के असाइनमेंट सौंपे जा रहे हैं।

तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख को नजरबंद किया गया

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी को यहां पुलिस ने सोमवार को घर में नजरबंद कर दिया, ताकि उन्हें कोकापेट की सरकारी जमीनों पर जाने से रोका जा सके, जिनकी पिछले सप्ताह नीलामी की गई थी। रेवंत रेड्डी को कोकापेट इलाके में जाने से रोकने के लिए बंजारा हिल्स स्थित उनके घर पर तड़के पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि उसके कई अन्य नेताओं को या तो नजरबंद कर दिया गया या कोकापेट जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया। कोकापेट की जमीन की नीलामी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए रेवंत रेड्डी ने कोकापेट में विरोध का आह्वान किया था। इस बीच, कुछ कांग्रेसी नेता कोकापेट भूमि के पास पहुंचने में सफल रहे, लेकिन पुलिस ने उन्हें विरोध प्रदर्शन करने से रोकने की कोशिश की। इस हाथापाई में कांग्रेस नेता महेश गौड़ गिर पड़े। पुलिस ने उन्हें, कोडंडा रेड्डी और अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। रेवंत रेड्डी ने कोकापेट भूमि नीलामी में 1,000 करोड़ रुपये के बड़े घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार इन जमीनों को स्विस चैलेंज के तहत फिर से नीलाम करे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य अधिक पारदर्शी तरीके से अच्छा राजस्व उत्पन्न कर सके।

टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि बोली लगाने में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के शामिल होने के दावों के विपरीत, जिन लोगों ने ये जमीनें हासिल कीं, वे या तो मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के बेनामी थे या जिनके उनके साथ घनिष्ठ संबंध थे। उन्होंने कहा था कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। सरकार ने 15 जुलाई को 49.949 एकड़ जमीन 2,000 करोड़ रुपये में नीलाम की थी।

पेगासस जासूसी मुद्दे पर स्पष्टीकरण दें नरेंद्र मोदी और अमित शाह: शिवसेना

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना के सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इजराइल के स्पाईवेयर पेगासस के जरिए पत्रकारों समेत कई लोगों की कथित जासूसी के मुद्दे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। राउत ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि यह दिखाता है कि देश की ''सरकार और प्रशासन कमजोर है।'' राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा, ''लोगों के बीच भय का माहौल है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए।'' एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने खुलासा किया है कि केवल सरकारी एजेंसियों को ही बेचे जाने वाले इजराइल के खुफिया जासूसी साफ्टवेयर पेगासस के जरिए भारत के दो केन्द्रीय मंत्रियों, 40 से अधिक पत्रकारों, विपक्ष के तीन नेताओं और एक मौजूदा न्यायाधीश सहित बड़ी संख्या में कारोबारियों और अधिकार कार्यकर्ताओं के 300 से अधिक मोबाइल नंबर हो सकता है कि हैक किए गए हों। यह रिपोर्ट रविवार को सामने आई है। हालांकि सरकार ने अपने स्तर से खास लोगों की निगरानी संबंधी आरोपों को खारिज

किया है। सरकार ने कहा, ''इससे जुड़ा कोई ठोस आधार या सच्चाई नहीं है।'' राउत ने कहा कि उन्होंने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से इस बारे में बात की है तथा मानसून सत्र में इस मुद्दे को भी उठाया जाएगा। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने फोन टैपिंग का मुद्दा उठाया था। इसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल थे और जांच चल रही है। लेकिन इस मामले में तो, विदेशी कंपनी हमारे लोगों, खासकर पत्रकारों के फोन कॉल सुन रही हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है।'' उन्होंने कहा, ''इसमें हैरानी की कोई बात नहीं होगी अगर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का फोन भी टैप किया जा रहा हो।

मिजोरम और असम के बीच सीमा विवाद को लेकर तनाव और बढ़ा

आइजोल/सिलचर/गुवाहाटी। (एजेंसी)।

मिजोरम ने असम पर मानवाधिकार उल्लंघनों का आरोप लगाया है जिससे इनकार करते हुए असम की ओर से सोमवार को कहा गया कि उसकी भूमि पर अतिक्रमण किया गया जो पूर्वोत्तर के दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद का एक महत्वपूर्ण बिंदू है। आइजोल में एक अधिकारी ने बताया कि मिजोरम के कोलासिब जिले के उपायुक्त एच. लालथांगलियाना ने असम के कछार जिले के प्रशासन को पत्र लिखा है जिसमें असम सरकार के अधिकारियों और पुलिस द्वारा 10 जुलाई को सीमा पर गतिरोध के दौरान आदिवासी लोगों पर अत्याचार करने और मानवाधिकार उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है। उन्होंने बताया कि पत्र की प्रतियां राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) को भी भेजी गई हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए असम के विशेष पुलिस महानिदेशक जीपी

सिंह ने पीटीआई-से कहा कि एनएचआरसी और एनसीएसटी जब भी इस बारे में राज्य से कुछ पूछेंगे तो उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''मूल मुद्दा यह है कि असम की भूमि पर मिजोरम ने कब्जा किया है। इसके बाद ही अन्य मुद्दे हैं, लेकिन मूल मुद्दा तो अतिक्रमण का है।'' उन्होंने आगे कहा, ''प्रत्येक राज्य की सीमा निर्धारित करने के लिए संवैधानिक व्यवस्था है और उन्होंने असम में अतिक्रमण किया है। उन्हें इस पर काम करना होगा।'' पत्र में लालथांगलियाना ने कहा कि 10 जुलाई को असम से बुआरचेप तक सड़क निर्माण किया गया लेकिन इसके लिए पहले से नोटिस नहीं दिया गया और पड़ोसी राज्य के अधिकारियों ने पुलिस के बल पर मिजो जनजाति के लोगों की फसलों को नष्ट कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसका विरोध करने के लिए जो आदिवासी लोग एकत्रित हुए, असम के हथियारबंद पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। सीमा की सुरक्षा में तैनात मिजोरम पुलिस बलों ने 11 जुलाई को दो विस्फोट की आवाज सुनी। मिजोरम में विस्फोटक पदार्थ कानून के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। असम पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि दस जुलाई को तनाव के हालात तब बने जब मिजोरम के 25-30 लोगों ने असम के भीतर जमीन पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया और उन लोगों ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को सड़क निर्माण के काम से रोका।

सिंगूर की नाकामी के 13 साल बाद ममता बनर्जी के मंत्री ने कहा- टाटा का जोरदार स्वागत है

कोलकाता। (एजेंसी)।

सिंगूर में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के कारण पश्चिम बंगाल से अपनी छोटी कार परियोजना को बाहर ले जाने के लिए मजबूर होने के 13 साल बाद टाटा समूह एक बार फिर राज्य निवेश के लिए आगे आ सकता है। राज्य के उद्योग और आईटी मंत्री पार्थ चटर्जी ने कहा कि टाटा के साथ बड़े निवेश के लिए बातचीत चल रही है। उन्होंने रोजगार सृजन को टीएमसी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि रोजगार देने की क्षमता के आधार पर कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार चाहती है कि किसी भी प्रमुख औद्योगिक घराने द्वारा जल्द से जल्द दो बड़ी विनिर्माण इकाइयां स्थापित की जाएं। चटर्जी ने कहा, ''टाटा के साथ

हमारी कभी कोई दुश्मनी नहीं थी, न ही हमने उनके खिलाफ लड़ाई लड़ी। वे इस देश के सबसे सम्मानित और सबसे बड़े व्यापारिक घरानों में से एक हैं। आप टाटा को (सिंगूर उपद्रव के लिए) दोष नहीं दे सकते।'' सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के महासचिव चटर्जी ने एक साक्षात्कार में बताया, ''समस्या वाम मोर्चा सरकार और उसकी जबरन भूमि अधिग्रहण नीति के चलते थी।

टाटा समूह का हमेशा बंगाल में आने और निवेश करने के लिए स्वागत है।'' चटर्जी ने कहा कि नमक से इस्पात तक बनाने वाले कारोबारी समूह ने कोलकाता में अपने कार्यालयों के लिए एक और टाटा सेंटर स्थापित करने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा, ''हमारे यहां पहले ही टाटा मेटालिक्स, टीसीएस के अलावा एक टाटा सेंटर है। लेकिन अगर वे विनिर्माण या अन्य क्षेत्रों में बड़े निवेश के साथ आने के इच्छुक हैं, तो कोई समस्या नहीं है। हमारे आईटी सचिव ने हाल में मुझे बताया था कि उन्होंने यहां टाटा सेंटर स्थापित करने में रुचि दिखाई है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य सरकार टाटा से बात करने के लिए अतिरिक्त कोशिश करेगी, चटर्जी ने कहा कि वह निवेश आकर्षित करने के लिए पहले ही समूह के अधिकारियों के संपर्क में हैं।

हिमाचल में जारी मूसलाधार बारिश, नदी के तेज बहाव में गिरी कार, तीन की मौत

शिमला। (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कई इलाकों में सडक मार्ग भारी भूस्खलन से बाधित हो गये हैं जिससे परिवहन व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पडा है यही हाल विद्युत संचार व पेयजल व्यवस्था का है। प्रदेश के कई हिस्सों में नदी नाले उफान पर हैं जिससे लोग सहमे हैं। चूंकि कुछ दिन पहले इसी तरह की बरसात में भी भारी नुक्सान झेलना पडा था व कई लोगों की जान चली गई थी। लगातर हो रही बारिश की वजह से जिला चंबा में चंबा भरमौर राष्ट्रीय उच्चमार्ग पर गैहरा के पास बैलोगी नामक स्थान पर आज सुबह एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से सीधे रावी नदी में गिर गई है। पहाड़ी से आए मलबे की चपेट में आकर कार सीधे रावी नदी में गिर गई। गाड़ी में तीन लोग सवार बताए जा रहे हैं। चंबा भरमौर राष्ट्रीय उच्चमार्ग पर गैहरा के समीप पहाड़ी से आए मलबे की चपेट में आकर कार सीधे रावी नदी में गिर गई। गाड़ी में तीन लोग सवार बताए जा रहे हैं। कार नंबर एचपी 01ष्ट 1323 अनियंत्रित होकर नदी में गिरी है। पहाड़ी से भारी भरकम पत्थर व मलबा गिरने के कारण मार्ग पर आवाजाही भी बंद हो गई है। मार्ग के दोनों ओर लंबा जाम लग गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 57 वर्षीय कल्यानो पुत्र फरंगु निवासी गांव चुकरासा डाक घर व सब तहसील धरवाला जिला चंबा, 55 वर्षीय सुभद्रा देवी पत्नी कल्यानो और 28 वर्षीय तेज नाथ पुत्र कल्यानो नदी में बह गए हैं। तेज नाथ कार ड्राइव कर रहा था। पुलिस व प्रशासन मौके पर पहुंच गया है व नदी में बहे लोगों की तलाश की जा रही है। अभी कार का भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पहाड़ी से भारी भरकम पत्थर व मलबा गिरने के कारण मार्ग पर आवाजाही भी बंद हो गई है। इसी तरह मंडी कुल्लू राष्ट्रीय राजमार्ग जगह जगह भारी भूस्खलन की वजह से यातायात के लिये बंद हो गया है।

टीपू सुल्तान के नाम पर पार्क का नामकरण करने को लेकर शिवसेना और भाजपा में रार, जानिए क्या है पूरा विवाद ?

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में एक बार फिर से शिवसेना और भाजपा आमने-सामने नजर आ रही है। इस बार मुद्दा नामकरण से जुड़ा हुआ है। बता दें कि भारतीय इतिहास के चर्चित योद्धा और 'शेर-ए-मैसूर' का खिताब हासिल करने वाले टीपू सुल्तान के नाम पर एक पार्क का नाम रखे जाने को लेकर काफी बवाल मचा हुआ है।

बता दें कि देवनार डंपिंग रोड पर बन रहे पार्क का नाम टीपू सुल्तान रखे जाने की कोशिशों के बीच हिन्दू संगठनों और भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है। दरअसल, यह पार्क काफी दिनों से गंदा और अतिक्रमण का शिकार था। ऐसे में साफ-सफाई कराकर इसे नया रूप देने की कोशिश की जा रही है।

कैसे शुरू हुआ विवाद ?

जनवरी 2021 में गोवंडी से समाजवादी पार्टी की पार्षद रुखसाना सिद्दीकी ने बाजार एवं उद्यान समिति को एक पत्र लिखा। जिसमें सुझाव दिया गया कि दो एकड़ में फैले एक पार्क का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर रखा जाए। क्योंकि वह स्वतंत्रता सेनानी थे और उन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। इस मांग को बीएमसी ने जून में मान लिया था और 15 जुलाई को मंजूरी के लिए मार्केट एंड गार्डन कमेटी के पास भेजा था।

अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक समाजवादी पार्टी पार्षद की मांग को बीएमसी द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद मामला गर्मा गया। हिन्दू जनजागृति समिति और भाजपा ने फैसले की आलोचना की और कहा कि टीपू सुल्तान हिन्दू विरोधी थे। ऐसे में उनके नाम पर बगीचे का नामकरण करने से धार्मिक भावनाएं आहत होगी। इसलिए इस सुझाव को रद्द किया जाना चाहिए।

भाजपा की चेतावनी

भाजपा ने चेतावनी दी कि अगर इस प्रस्ताव को रद्द नहीं किया गया तो बीएमसी और शिवसेना के खिलाफ आंदोलन शुरू किया जाएगा। इतना ही नहीं भाजपा पार्षद बालचंद्र शिरसाट ने तो शिवसेना पर समिति की बैठक के दौरान अपनी पार्टी के लोगों को नहीं बोलने देने का आरोप लगाया।

इस मामले में शिवसेना ने कहा कि चर्चा का कोई मतलब नहीं है क्योंकि प्रस्ताव बीएमसी प्रशासन को वापस भेज दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्ताव को फिर से समिति के समक्ष भेजा जा सकता है। ऐसे में यदि बाजार एवं उद्यान समिति प्रस्ताव को मंजूरी देती है तो उसे अंतिम मंजूरी के लिए नगर निगम के पास भेजा जाएगा।

शिवसेना ने प्रस्ताव क्यों रद्द नहीं किया ?

पार्क का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर रखने का सुझाव समाजवादी पार्टी का था। हालांकि शिवसेना का समाजवादी पार्टी के साथ सीधे गठबंधन नहीं है लेकिन बीएमसी के कामकाज में समाजवादी पार्टी मदद करती रहती है। इसके अलावा शिवसेना को यह डर

भी सता रहा होगा कि अगर प्रस्ताव को रद्द कर दिया तो महाविकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस और एनसीपी की आलोचनाएं सहनी पड़ सकती है।

सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश !

शिवसेना ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि वह इस मामले को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है। शहर में टीपू सुल्तान के नाम पर और भी जगहें हैं। आपको बता दें कि मुंबई के पश्चिमी इलाके में टीपू सुल्तान के नाम पर कम से कम दो चीजें हैं। पहली 13 दिसंबर 2020 को कांग्रेस विधायक असलम शेख ने मलाड वेस्ट के लैगून रोड स्थित टीपू सुल्तान मैदान का भूमि पूजन किया था। इसी तरह कुछ साल पहले अंधेरी वेस्ट में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखा गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)